केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

विश्वास जीवन का सबसे बड़ा खजाना है क्योंकि उसके बगैर ना, तो प्रेम सम्भव है ना तो प्रार्थना

वर्ष : 16 अंक : 331 | उज्जैन, बुधवार 13 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

महाभारत भी फेल, कपूर फैमिली के संपत्ति विवाद पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। कपूर परिवार में 30,000 करोड़ रुपये की विरासत को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को दिवंगत बिजनेसमैन संजय कपूर की मां रानी कपूर ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर कर रघुवंशी इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की 18 मई को प्रस्तावित बोर्ड बैठक रोकने की मांग की। 80 वर्षीय रानी कपूर ने इस बैठक को मध्यस्थता प्रक्रिया को दरकिनार करने की 'धोखाधड़ी भरी कोशिश' बताया। RIPL के पास परिवार की विवादित संपत्तियों का बड़ा हिस्सा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, हम एक ऐसे अखाड़े में उतर आए हैं, जिसके सामने महाभारत भी बहुत छोटा लगेगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई गुरुवार, 14 मई को तय की। रानी कपूर ने संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया कपूर के खिलाफ भी निर्देश जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता पूरी होने तक प्रिया को पारिवारिक ट्रस्ट के कामकाज में दखल देने से रोका जाए। 1 मई को दिल्ली हाई कोर्ट में प्रिया कपूर के वकील ने संपत्ति की यथास्थिति बनाए रखने वाले अंतरिम आदेश को 'संतुलित' बताया था। उन्होंने कहा कि संपत्ति सुरक्षित रखने का प्रस्ताव उनके मुवक्किल ने स्वयं दिया था। पिछले सप्ताह कोर्ट ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया था।

यह मध्यस्थता RK ट्रस्ट, Sona Comstar और कपूर परिवार की कंपनियों से जुड़ी है। रानी कपूर ने हाई कोर्ट में सिविल मुकदमा दायर कर ट्रस्ट को 'गैर-कानूनी और धोखाधड़ी का नतीजा' घोषित करने की मांग की है। विवाद में संजय कपूर की वसीयत शामिल नहीं है, जो प्रिया कपूर और संजय की दूसरी पत्नी अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चे कियान व समायरा के बीच अलग लड़ाई का विषय है। परिवार के सभी सदस्यों, जिनमें कियान और समायरा भी शामिल हैं, ने मध्यस्थता में शामिल होने पर सहमति जताई है।

सिकंदर-गजनी भी सनातन को खत्म नहीं कर सके, उदयनिधि स्टालिन के बयान पर बीएल संतोष का पलटवार

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन के बाद सनातन धर्म को लेकर सियासत तेज हो गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन के एक बयान पर बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि लोगों को बांटने वाले सनातन को खत्म किया जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद बीजेपी नेताओं ने डीएमके और विपक्षी दलों पर हमला बोला है। बीएल संतोष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, सिकंदर, गोरी, गजनवी, खिलजी, अंग्रेज, फ्रांसीसी और कम्युनिस्ट भी सनातन को समाप्त नहीं कर पाए। अब एक ऐसा व्यक्ति इसे खत्म करने की बात कर रहा है, जो अपने ही परिवार को नहीं समझा सकता। भारत और सनातन ने समय और पीढ़ियों की हर कसौटी को पार किया है। उनके इस बयान को बीजेपी की तरफ से उदयनिधि पर बड़ा राजनीतिक पलटवार माना जा रहा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं।शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा, यह कोई संयोग नहीं, बल्कि वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा है। उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु विधानसभा में एक बार फिर सनातन धर्म को खत्म करने की बात दोहराई है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी उनके बयान को हेट स्पीच बता चुका है, लेकिन कांग्रेस ने उस बयान का समर्थन किया था।

मध्यप्रदेश उद्यमियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को हर समय तत्पर तैयार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भारत और फ्रांस की मैत्री है पुरानी, आगे भी रहेगा परस्पर सहयोग

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में भोपाल में संपन्न एक दिवसीय इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव के प्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से फ्रांस के राजदूत थियरी माथू ने भी भेंट की। फ्रांसीसी राजदूत ने कहा कि मध्यप्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में फ्रांस की ओर से अधिकतम सहयोग प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश में आगामी वर्ष होने वाले ग्लोबल समिट की दृष्टि से फ्रांस और मध्यप्रदेश के मध्य दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को मजबूत बनाने के प्रयास होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उद्यमियों के साथ कदम से कदम मिलकर चलने को तैयार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मुख्यमंत्री निवास में मंगलवार की शाम राउंड टेबल मीटिंग में कॉन्क्लेव में हुए विचार-विमर्श और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के संबंध में की गई पहल की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत में फ्रांसीसी राजदूत श्री माथू का अंगवस्त्रम् और पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए और विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भेंट की। कॉन्क्लेव में विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में फ्रांस कंपनियों और मध्यप्रदेश सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन सहित 8 अभिरूचि पत्र (लेटर ऑफ इंटेट) प्रस्तुत किए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फ्रांस से भोपाल पधारे सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि बदलते दौर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में फ्रांस ने भारत सरकार की नीतियों का स्वागत किया। भारत-फ्रांस की मित्रता के अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। यह मैत्री पुरानी है और आगे भी परस्पर सहयोग की परम्परा बनी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया तो फ्रांस ने भारत का समर्थन किया था। फ्रांस से भारत ने राफेल डील भी की। दुनिया का एडवांस फाइटर जेट राफेल भारत की सीमाओं की रक्षा कर रहा है। यूरोपियन यूनियन के साथ भारत सरकार ने मुक्त व्यापार समझौता किया है। यह हमारी मित्रता के लिए सोने पर सुहागा है। इससे वैश्विक स्तर पर नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। भारत के साथ काम करते हुए सभी क्षेत्रों में व्यापार-व्यवसाय की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम रक्षा, तकनीक, कौशल विकास सहित अन्य क्षेत्रों में मिलकर अच्छी नीतियों के साथ कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर बदलाव नजर आए। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद एक नया भारत देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी औद्योगिक निवेश की अपार क्षमता, योग्यता और संभावनाएं हैं। राज्य सरकार का फोकस व्यापार-व्यवसाय में निवेश बढ़ाने पर है। निवेश दोनों पक्षों की आपसी सहमति से आगे बढ़ता है। औद्योगिक विकास में लंबी छलांग लगाने के लिए राज्य सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। हमारे पास तकनीक के साथ-साथ अनेक अनुकूल पक्ष हैं। मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने के कारण कनेक्टिविटी के मामले में सबसे बेहतर है। समृद्ध पर्यटन क्षेत्र, औद्योगिक शांति और प्रकृति की अनुकूलता से उद्योगों का विकास आसान है। राज्य सरकार ने पहले नारी कल्याण, फिर उद्योग एवं रोजगार वर्ष और अब कृषक कल्याण वर्ष की शुरुआत की है। वर्ष 2026 में कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सनोफी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बीच हुए अनुबंध को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया।

अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग हितैषी नीतियां लागू हैं। पर्यटन, रक्षा क्षेत्र, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक, नवकरणीय ऊर्जा आदि में प्रदेश अग्रणी राज्य बन रहा है। इंडो-फ्रेंच कॉन्क्लेव में प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश पर चर्चा स्वागत योग्य है। प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह भी राउंड टेबल मीटिंग में उपस्थित थे।

प्रारंभ में इंडो फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव के प्रतिनिधियों का मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत किया गया। प्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश भारत-फ्रांस औद्योगिक साझेदारी का उभरता केंद्र बनेगा।

NEET पेपर लीक का ऑपरेशन क्लीनः नासिक से राजगीर तक गिरफ्तारियां, 6 राज्यों में फैले 45 गुर्गों के सिंडिकेट का पर्दाफाश

नई दिल्ली/ जीएनएस। NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। देश के अलग-अलग हिस्सों, महाराष्ट्र के नासिक, उत्तराखंड के देहरादून और बिहार के राजगीर में कई गिरफ्तारियां की गई हैं।

जांच में कम से कम 45 लोगों के एक संगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो महाराष्ट्र, केरल, हरियाणा, बिहार, राजस्थान और उत्तराखंड तक फैला हुआ था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस रैकेट में पेपर सॉल्वर, फर्जी परीक्षार्थी (इम्पर्सोनेटर), कोचिंग सेंटर काउंसलर और MBBS छात्र तक शामिल थे।

नासिक से मेडिकल छात्र गिरफ्तार- महाराष्ट्र के नासिक से एक मेडिकल छात्र शुभम खैरनार को गिरफ्तार किया गया है। वह भोपाल में बैचलर ऑफ मेडिकल साइंसेज का छात्र बताया जा रहा है। आरोप है कि उसने परीक्षा से कुछ दिन पहले नासिक में गेस पेपर की हार्ड कॉपी हासिल की थी और बाद में उसकी सॉफ्ट कॉपी हरियाणा के एक व्यक्ति को भेजी। नासिक पुलिस के डीसीपी किरण कुमार चौहान ने बताया, राजस्थान पुलिस की ओर से एक व्यक्ति को हिरासत में लेने का अनुरोध मिला था। इसके बाद क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने आरोपी को पकड़ लिया। राजस्थान पुलिस की टीम उसे अपने साथ ले जाएगी।

राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप पहले ही दावा कर चुका है कि पेपर नासिक की एक प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ और उसका इस्तेमाल हरियाणा तथा राजस्थान में किया गया।

राजगीर में नकदी और कई एडमिट कार्ड बरामद- बिहार के राजगीर में परीक्षा वाले दिन यानी 3 मई को पुलिस को बड़ी सफलता मिली। राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह के मुताबिक, वाहन जांच के दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध कारों को रोका।

उन्होंने बताया, कार चला रहा व्यक्ति खुद को MBBS छात्र बता रहा था। गाड़ी की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में नकदी मिली। मोबाइल फोन चेक करने पर कई एडमिट कार्ड भी बरामद हुए। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पाकिस्तान से बातचीत का रास्ता खुला रहना चाहिए, लेकिन सुरक्षा सर्वोपरिः RSS महासचिव दत्तात्रेय होसबले

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत की संभावनाएं पूरी तरह खत्म नहीं करनी चाहिए और संवाद का रास्ता हमेशा खुला रखना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा और स्वाभिमान सर्वोच्च हैं और किसी भी आतंकी गतिविधि का जवाब सख्ती से दिया जाना चाहिए।

समाचार एजेंसी PTI को दिए एक इंटरव्यू में होसबले ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति और बातचीत की पहल की है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने कई बार रिश्ते सुधारने की कोशिश की, लेकिन पाकिस्तान की ओर से बार-बार उकसावे वाली घटनाएं सामने आती रहीं।

भारत के पास कितने दिनों का बचा है Forex Reserve?

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि देश के पास 11 महीने का आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा का भंडार उपलब्ध है। जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का मानना है कि अगर किसी देश के पास 8-12 महीने के आयात के लिए विदेशी मुद्रा का भंडार है तो यह मजबूत स्थिति है।

गत वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 770 अरब डॉलर का आयात किया। इस हिसाब से प्रति माह औसतन 64 अरब डॉलर का आयात किया जाता है। आरबीआई के मुताबिक मई के पहले सप्ताह में भारत के पास विदेशी मुद्रा का भंडार 690 अरब डॉलर का था।

औद्योगिक संगठन सीआईआई के कार्यक्रम में मंगलवार को गोयल ने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद गत वित्त वर्ष में भारत ने वस्तु व सेवा को मिलाकर 863 अरब डॉलर का निर्यात किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति चुनौती भरा है और इस दौरान व्यापार सामान्य तरीके से नहीं हो सकता है।

इस समय हमें सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। इस चुनौती भरे समय में जागरूकता फैलाने के लिए ही सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने पेट्रोल व डीजल की खपत कम करने, सोने की खरीदारी को एक साल के लिए टालने और विदेशी दौरे नहीं क रने की सलाह दी थी।

गोयल ने पीएम की सलाह पर स्पष्टीकरण दिया- गोयल ने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि प्रधानमंत्री के इस संदेश को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है। विदेशी दौरे नहीं करने का मतलब यह नहीं है कि निवेश या व्यापारिक विदेशी दौरे को रद किया जाए।

यूपी में अब नक्शा पास कराने के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे जिला पंचायतों के चक्कर

लखनऊ/ जीएनएस। जिला पंचायतों से मकान, दुकान आदि का नक्शा स्वीकृत कराने के लिए लोगों को अब अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। लोग नक्शा स्वीकृति के लिए विभाग के ऑनलाइन रेवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम (ओआरएमएस) पोर्टल पर कर सकते हैं।

इस पोर्टल के माध्यम से करदाता अपने करों की अदायगी भी आनलाइन कर सकेंगे। पंचायती राज विभाग ने जिला पंचायतों से संबंधित समस्त लेन-देन, नोटिस, आरसी आदि कार्य भी पोर्टल के माध्यम से किए जाने का निर्देश दिए हैं।

नक्शा स्वीकृति व करों की अदायगी के लिए ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन जल्द ही विभागीय मंत्री से कराने की तैयारी है। प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार ने बताया है कि नक्शा स्वीकृति, करों की अदायगी जैसी सुविधाएं पोर्टल पर मिलने से लोगों को अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी होगी। इस व्यवस्था से जिला पंचायतों की कमाई बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर बनेंगी। इससे जिला पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

हमें पहले से ही पता था...: ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करने पर भारत का चीन पर तंज

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कथित समर्थन देने के मुद्दे पर चीन को कड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें यह सोचना चाहिए कि आतंकवादी ढांचे को बचाने की कोशिशों का उनकी अंतरराष्ट्रीय साख और प्रतिष्ठा पर क्या असर पड़ता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह टिप्पणी की। उनसे चीन के उस बयान को लेकर सवाल पूछा गया था, जिसमें पहली बार यह स्वीकार किया गया कि मई 2025 में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान को जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान की थी।

रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं जो उन बातों की पुष्टि करती हैं, जिनकी जानकारी पहले से थी। जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें यह जरूर सोचना चाहिए कि आतंकवादी बुनियादी ढांचे को बचाने के प्रयासों का उनकी प्रतिष्ठा और वैश्विक छवि पर क्या प्रभाव पड़ता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुआ था ऑपरेशन सिंदूर- रूध्र प्रवक्ता ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान से संचालित और उसके समर्थन प्राप्त आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के उद्देश्य से चलाया गया एक सटीक और लक्षित अभियान था।

जब-जब भारत पर आया संकट, सोने ने बचाई देश की लाज

नई दिल्ली/ जीएनएस। एक साल तक सोना न खरीदें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस अपील ने देश में सोने को लेकर कई तरह की चर्चा शुरू कर दी हैं। मिडिल ईस्ट में चल रहे संकट का असर भारत पर न पड़े, इसके लिए सोना खरीदने के लिए पीएम मोदी ने मना किया है।

दुनिया में सोने (त्नश्वद्मस्र) के सबसे बड़े आयातकों में भारत का नाम शामिल है। लेकिन देश को अभी इस समय सोना खरीदने से ज्यादा क्रूड ऑयल खरीदने की जरूरत है। ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, ऐसे में देश के पास अतिरिक्त धन की जरूरत है, इसलिए सरकार गोल्ड में निवेश कम करना चाहती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे देश से अपील की है कि अगले एक साल तक सोना न खरीदें। ऐसा पहली बार नहीं है जब देश पर आर्थिक संकट आया है, लेकिन फिर एक बार देश को इस संकट से उबारने के लिए सरकार गोल्ड पर दांव खेल रही है।

अगर बीते समय की तस्वीर को देखें तो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार से लेकर अब के समय में पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार तक सोने ने देश को परेशानी से उबारा है।

आजादी से लेकर अब तक सरकारों के सामने ऐसी परिस्थिति खड़ी हुई है कि केंद्र सरकार को कठोर फैसले लेने पड़े हैं। आइए जानते हैं कि देश के सामने कब-कब गोल्ड ने संकट से पार पहुंचाया है।

भारत-चीन युद्ध पर भी सोने पर फैसला- आजादी के बाद पहली बार गोल्ड संकट 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध के दौरान आया। युद्ध के चलते देश में विदेशी मुद्रा के भंडार पर असर पड़ा था। उस समय के वित्त मंत्री मोरारजी देसाई ने गोल्ड कंट्रोल एक्ट लागू किया, जिससे 14 कैरेट से अधिक शुद्धता वाले सोने के गहने बनाने पर रोक लग गई। सरकार को लगा था कि इस कदम से सोने की कालाबाजारी रुक जाएगी, लेकिन ये फैसला उल्टा पड़ गया और भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा।

आम आदमी को जब भी पैसों की जरूरत पड़ती है, तब उसके पास पैसों के इंतजाम के लिए केवल एक ही रास्ता बचता है कि वो सोने को गिरवी रखकर पैसों का इंतजाम करे।

किसी भी आम आदमी के जीवन में सोना गिरवी रखने का फैसला काफी कठिन और अंतिम फैसला होता है, क्योंकि सभी उपाय तलाशने के बाद ही व्यक्ति सोना गिरवी रखने का फैसला ले पाता है।

ऐसा की कुछ 1991 में भारत सरकार के साथ हुआ। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय में देश के सामने ऐसी स्थिति आ गई कि विदेशी मुद्रा भंडार पूरी तरह खाली हो गया। देश के पास केवल दो हफ्ते के आयात के लिए पैसे बचे।

कांग्रेस में सच बोलने वालों पर कार्रवाई, अपमान करने वालों पर चुप्पी : सुमित मिश्रा

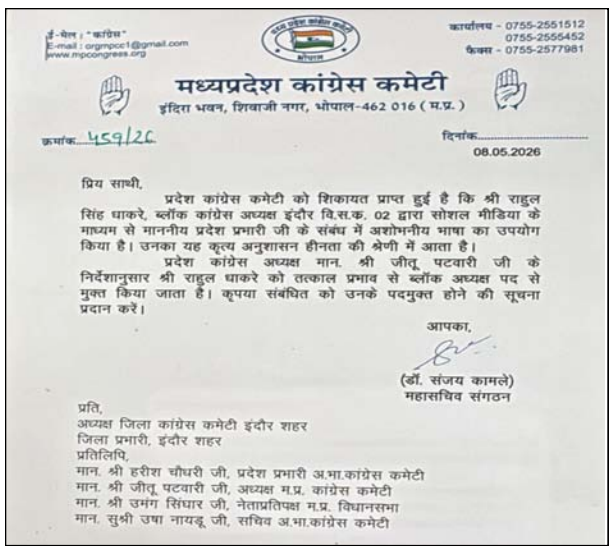
ई-मेल : "कांग्रेस"
E-mail : orgmpcc1@gmail.com
www.mpcongress.org

कार्यालय - 0755-2551512
0755-2555452
फैक्स - 0755-2577981

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी
इंदिरा भवन, शिवाजी नगर, भोपाल-462 016 (म.प्र.)

क्रमांक 459/26

दिनांक 08.05.2026

प्रिय साथी,

प्रदेश कांग्रेस कमेटी को शिकायत प्राप्त हुई है कि श्री राहुल सिंह धाकरे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंदौर वि.स.क. 02 द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से माननीय प्रदेश प्रभारी जी के संबंध में अशोभनीय भाषा का उपयोग किया है। उनका यह कृत्य अनुशासन हीनता की श्रेणी में आता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मान. श्री जीतू पटवारी जी के निर्देशानुसार श्री राहुल धाकरे को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक अध्यक्ष पद से मुक्त किया जाता है। कृपया संबंधित को उनके पदमुक्त होने की सूचना प्रदान करें।

आपका,

(डॉ. संजय कामले)
महासचिव संगठन

प्रति,
अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी इंदौर शहर
जिला प्रभारी, इंदौर शहर
प्रतिलिपि,
मान. श्री हरीश चौधरी जी, प्रदेश प्रभारी अ.भा.कांग्रेस कमेटी
मान. श्री जीतू पटवारी जी, अध्यक्ष म.प्र. कांग्रेस कमेटी
मान. श्री उमंग सिंघार जी, नेताप्रतिपक्ष म.प्र. विधानसभा
मान. सुश्री उषा नायडू जी, सचिव अ.भा.कांग्रेस कमेटी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कांग्रेस पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अब समर्पित और सच्चे कार्यकर्ताओं के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। पार्टी और वरिष्ठ नेताओं का अपमान करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं होती, लेकिन यदि कोई कार्यकर्ता प्रदेश प्रभारी या प्रदेश अध्यक्ष से सवाल पूछ ले तो उसे तुरंत पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है।

मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के एक ब्लॉक अध्यक्ष राहुल धाकरे ने वरिष्ठ पत्रकार अरविंद तिवारी की सोशल मीडिया पोस्ट पर कार्यकर्ताओं की भावना व्यक्त करते हुए प्रतिक्रिया दी थी। इस बात से प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी इतने नाराज हो गए कि उन्हें तत्काल पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरी ओर कांग्रेस को अपमानित करने वाले नेताओं और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग करने वालों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस में दोहरे मापदंड अपनाए जा रहे हैं। पार्टी और उसके वरिष्ठ नेताओं को अपशब्द कहने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है, जबकि समर्पित कार्यकर्ताओं की आवाज दबाई जा रही है।

मिश्रा ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की महिला पार्षद द्वारा राष्ट्गीत वंदे मातरम का अपमान किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सुमित मिश्रा ने कहा कि मालवा की संस्कृति सदैव वरिष्ठों के सम्मान और आदर की रही है। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से आत्मसम्मान के लिए आवाज उठाने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा उनका समर्थन करेगी।

आबकारी इंदौर की अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार आज नियंत्रण कक्ष प्रभारी श्री देवेश चतुर्वेदी एवं उप प्रभारी श्री मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री अशोक खत्री, श्री गोपाल यादव, श्री जहांगीर खान, श्री धर्मेंद्र जोशी, श्री सी.के. साहू, श्री पवन टिकेकर एवं श्री कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में जिला इंदौर के आबकारी स्टाफ द्वारा वृत्त महू ब क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।

कार्यवाही के दौरान महू क्षेत्र के भौंडिया तालाब, गवली पलासिया, बंजारी, भाटखेड़ी एवं अन्य स्थानों पर दबिश दी गई। आज की कार्यवाही में कुल 10 छापों के दौरान 8 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए। कार्यवाही के दौरान 210 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 1800 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया गया। महुआ लहान के सैंपल लेकर शेष सामग्री को मौके पर नष्ट किया गया। जप्त मदिरा, महुआ लहान एवं अन्य सामग्री का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 2 लाख 22 हजार रुपए है।

उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक श्री सुनील मालवीय, सुश्री मीना माल, सुश्री मीरा सिंह, सुश्री त्रिअंबिका शर्मा, सुश्री कृतिका द्विवेदी एवं सुश्री जया मुजाल्दे का सराहनीय योगदान रहा।

महू में संघ का घोष प्रकटोत्सव आयोजित, प्रशिक्षणार्थियों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत द्वारा सोमवार शाम वेटरनरी कॉलेज खेल परिसर में घोष प्रकटोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मालवा प्रांत के 118 प्रशिक्षणार्थियों ने घोष वादन का प्रशिक्षण प्राप्त किया और शिविर में सीखे हुए विभिन्न घोष वादन की प्रस्तुतियां देकर उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

करीब 30 मिनट तक चले इस विशेष कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने अनुशासन और समन्वय के साथ विविध घोष रचनाओं का वादन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी, सामाजिकजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल जसविंदर सिंह संधू पीवीएसएम उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत प्रचारक राजमोहन सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। इस अवसर पर जिला संघ चालक अनिल सोलंकी एवं वर्ग कार्यवाह गोपाल धनगर भी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का वातावरण देशभक्ति और अनुशासन की भावना से ओतप्रोत रहा। उपस्थित लोगों ने घोष वादन की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए प्रशिक्षणार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा की।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन, फाइनेंशियल फ्रॉड, पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं होने की शिकायतें, प्लॉट-मकान एवं जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस संबंधित प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कई मामलों में अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। उन्होंने आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनसुनवाई के दौरान सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुनते हुए कई मामलों में तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की गई। पुलिस विभाग द्वारा मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से आपसी एवं पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए लगातार काउंसलिंग भी की जा रही है, ताकि मामलों का शांतिपूर्ण और शीघ्र निराकरण हो सके।

पुलिस की इस पहल से आमजन का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बड़ी संख्या में जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं।

गर्मी व तापघात के उपचार के लिए इंदौर में विशेष व्यवस्था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्म ऋतु में तापमान बढ़ने और गर्म हवा लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना अत्यधिक गर्मी से प्रभावित होना व तापघात के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं।

गर्मी व तापघात से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में 12 से 04 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें।

नागरिकों से अपील की गई है कि बाहर निकलना आवश्यक हो तो धूप से बचाव के लिए छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पीए, बुखार व तापघात होने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ओआरएस का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन करें। इन सभी का उपाय कर गर्मी के प्रभाव से बचा जा सकता हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले के जिला अस्पताल, सिविल अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लू एवं तापघात से बचाव के लिए, प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए विशेष कक्ष बनाए गए हैं।

इंदौर में सड़क सुरक्षा अभियान जारी, 31वें हेलमेट जागरूकता कार्यक्रम में बांटे हेलमेट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा जनजागरूकता अभियान लगातार जारी है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में अब तक 31 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 4300 से अधिक हेलमेट जरूरतमंद वाहन चालकों को वितरित किए गए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को पलासिया चौराहे पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 31वां हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें वृहद जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अभियान के दौरान उन दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए जिनके पास वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद थे। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान काटने के बाद उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट भी वितरित किए गए। वहीं, स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले जिम्मेदार चालकों की प्रशंसा करते हुए उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया। यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली गंभीर चोटों से बचाव के लिए हेलमेट का उपयोग बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा कर सकें। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए आगे भी ऐसे अभियान निरंतर चलाए जाने की बात कही गई।

स्मार्ट सिटी बोर्ड बैठक में MOG लाइन परियोजनाओं सहित कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड की 38वीं बोर्ड बैठक मंगलवार को कलेक्टर एवं स्मार्ट सिटी चेयरमैन शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त एवं कार्यपालक निदेशक क्षितिज सिंघल, स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि, स्वतंत्र निदेशक तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में शहर विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए।

बैठक में एमओजी लाइन पुनर्विकास एवं विकास परियोजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बोर्ड ने मऊ नाका स्थित MOG लाइन लैंड पार्सल-1 क्षेत्र में सड़क, जल प्रदाय, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, अंडरग्राउंड जलाशय, ओपन एरिया डेवलपमेंट, विद्युत सब-स्टेशन, अंडरग्राउंड केबलिंग एवं स्ट्रीट लाइटिंग सहित व्यापक अधोसंरचना विकास कार्यों की निविदा प्रक्रिया को मंजूरी प्रदान की। यह कार्य राज्य शासन की री-डेंसिफिकेशन नीति के तहत किए जाएंगे।

इसके साथ ही MOG लाइंस लैंड पार्सल-1 के शेष ब्लॉकों एवं पार्सल-2 के लगभग 68,510 वर्गमीटर क्षेत्र के विकास एवं मुद्रीकरण के लिए DBFOS मॉडल को स्वीकृति दी गई। परियोजना का आरक्षित मूल्य लगभग 452 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। यहां ग्रीन, इको एवं क्लाइमेट रेस्पॉन्सिव टाउनशिप विकसित करने की योजना है।

बैठक में मेसर्स तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड को आवंटित MOG लाइन परियोजना में भुगतान दायित्वों एवं निर्माण कार्य समयसीमा का पालन नहीं किए जाने के संबंध में भी चर्चा की गई और अनुबंध प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई पर विचार किया गया।

बोर्ड ने गीता भवन-गोपाल मंदिर कॉम्प्लेक्स के संचालन एवं रखरखाव के लिए चयनित एजेंसी को लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस जारी करने की मंजूरी दी। वहीं शहर में संचालित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त स्थानों पर भी ITMS सिस्टम स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जिसे पीपीपी मॉडल पर संचालित किया जाएगा।

छप्पन दुकान क्षेत्र में सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था एवं पैदल यात्रियों के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से दोपहिया पार्किंग संचालन और रखरखाव कार्य के लिए पुनः निविदा जारी करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। बैठक में कबितखेड़ी स्थित 1500 kCi गामा रेडिएशन प्रोसेसिंग फैसिलिटी के संचालन, रखरखाव एवं प्रबंधन हेतु निविदा प्रक्रिया प्रारंभ करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

इसके अलावा श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय परिसर में अत्याधुनिक लैंडमार्क पब्लिक लाइब्रेरी विकसित करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की गई। प्रस्तावित परियोजना में डिजिटल लाइब्रेरी, रीडिंग जोन, कैफेटेरिया सहित विभिन्न आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

निगम जनसुनवाई में पहुंचे 65 आवेदन, आयुक्त ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

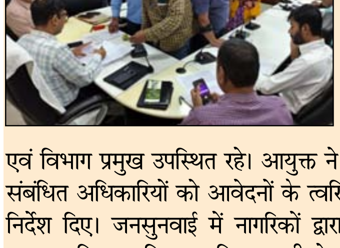

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान निगम के समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। आयुक्त ने नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के त्वरित और नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में नागरिकों द्वारा राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूव्हल विभाग, सीवरेज विभाग, जनकार्य विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 65 आवेदन प्रस्तुत किए गए। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को तत्काल प्रेषित किया गया, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके। निगम प्रशासन ने कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनसुनवाई प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है।

आउटसोर्स कर्मियों की बेहतर कैरियर प्लानिंग पर ध्यान दें : एमडी सुनील तिवारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने अधिकारियों से कहा है कि आउटसोर्स कर्मियों से उनकी योग्यता के अनुरूप कार्य लिया जाए तथा उनकी बेहतर कैरियर प्लानिंग और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यालय में आयोजित मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने आउटसोर्स कर्मियों से संवाद करते हुए उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एमपी ट्रांसको में कार्य का अनुभव कई कर्मियों के लिए अन्य संस्थाओं में अवसरों का आधार बना है।

बारिश से पहले पूरी होगी ट्रेजर टाउन सड़क, महापौर ने दिए निर्माण तेज करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक मधु वर्मा ने राऊ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 78 का निरीक्षण कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, स्वच्छता व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान जलकार्य एवं ड्रेनेज प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा, स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि ओ.पी. आर्य, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, नगर निगम अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने ट्रेजर टाउन क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क परियोजना का अवलोकन किया और अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर उसका लोकार्पण किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानी न हो।

महापौर ने सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमणों एवं अन्य अवरोधक निर्माणों को शीघ्र हटाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि ओ.पी. आर्य ने महापौर को बताया कि सड़क निर्माण के दौरान कुछ स्थानों पर चार पक्षों द्वारा आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। इस पर महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन हिस्सों पर कोई विवाद नहीं है, वहां तत्काल निर्माण कार्य पूर्ण कर सड़क आमजन के लिए शुरू की जाए।

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं विधायक ने बिजलपुर स्थित निर्माणाधीन सम्पवेल का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि परियोजना पूर्ण होने के बाद पश्चिमी क्षेत्र में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा और बड़ी संख्या में नागरिकों को बेहतर जल आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों को बेहतर सड़कें, स्वच्छ वातावरण, सुगम यातायात और पर्याप्त जल सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित समय-सीमा में परियोजनाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में डायनासोर नेशनल पार्क को लेकर बैठक आयोजित

200 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तारित होगा धार का डायनासोर नेशनल पार्क

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज डायनासोर नेशनल पार्क धार को लेकर वीडियो कान्फ्रेसिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त कार्यालय इंदौर से उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी उपस्थित रही। धार से मुख्य वन संरक्षक श्री टी.एन. मिश्रा, जिला वन मण्डलाधिकारी श्री विजय मंथन एवं अभिनव प्रायवेट लिमिटेड के कंसल्टेंट श्री कौश्तुभ कुर्लेकर शामिल हुए। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने डायनासोर नेशनल पार्क से संबंधित मास्टर प्लान, बेसलाईन स्टडी और कंसलटेंट द्वारा तैयार प्रस्ताव की समीक्षा की गई। बैठक में डॉ. खाड़े ने बताया कि धार क्षेत्र में पहले से ही 89 हेक्टेयर क्षेत्र में जीवाश्म पार्क है। इस पार्क में जीव-जन्तुओं के जीवाश्म, डायनासोर की हड्डिया, अंडे, मल और इकाइनोडर्मा, मोलस्का, मछली और पोरिफेरा प्रजातियां शामिल हैं, जिन्हें डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान में दर्ज किया गया है। इस डायनासोर पार्क को देखने के लिये पर्यटक आते हैं। अब इसका दायरा बढ़ाया जायेगा, जो 89 हेक्टेयर से बढ़कर 200 हेक्टेयर का हो जायेगा। इस डायनासोर नेशनल पार्क में धार जिले की चार गांवों की जमीनों को शामिल किया गया है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये इस पार्क का दायरा बढ़ाया जा रहा है। यहां पर एक विशाल संग्रहालय भी बनेगा, जिसमें डायनासोर के जीवाश्म, हड्डिया आदि प्रदर्शित किये जाएंगे।

बैठक में बताया गया कि इस क्षेत्र में बड़केश्वर महादेव मंदिर और हनुमान मंदिर जैसे धार्मिक स्थल है, तो वहीं बाघ गुफाएं और बाघ किला जैसे एतिहासिक स्थल है। इस क्षेत्र में अरण्डी, शीशम, सतावर, सागवान जैसे वृक्ष और जड़ी बूटियों के 1644 पौधे मौजूद हैं। इसके अलावा यहां सियार, लोमड़ी, लकड़बग्घा और सांप जैसे जीव-जन्तु भी है। इस क्षेत्र में होटल और रिसोर्ट्स होंगे। टावरों की स्थापना होगी। सड़कों का चौड़ीकरण के साथ नये सड़कों का निर्माण होगा। साथ ही रात के समय वाहनों की आवाजाही होगी। इस पार्क के विस्तारित होने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। इस पार्क में उत्खनन, ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग, जलाऊ लकड़ी का व्यवसायिक उपयोग, ईंट भट्टों की स्थापना, प्राकृतिक जल निकायों में अनुपचारित अपशिष्टों का निर्वहन जैसी गतिविधियां पर प्रतिबंध रहेगा।

कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर ग्रामीणों को मिली त्वरित राहत, ग्राम बदरखा में खुलवाया गया रास्ता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर तहसील हातोद के ग्राम बदरखा में ग्रामीणों की समस्या का त्वरित निराकरण करते हुए बंद रास्ते को खुलवाया गया। ग्रामीणों द्वारा मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में रास्ता बंद होने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिस पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में ग्रामीणों ने बताया था कि लंबे समय से उपयोग में आने वाला पारंपरिक मार्ग अवरुद्ध होने से किसानों को खेतों तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के कारण कृषि कार्य प्रभावित हो रहे थे तथा ग्रामीणों में असंतोष की स्थिति बनी हुई थी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की संवेदनशील पहल और प्रशासन की तत्परता से स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से मौके पर रास्ता खुलवाया गया, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। रास्ता खुलवाने की यह कार्रवाई एसडीएम हातोद श्री विनोद राठोर के निर्देशन में तहसीलदार श्री गोविंद राठोर ने की।ग्रामीणों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन एवं जिला प्रशासन की त्वरित पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया है।

मोदी के 'सोना मत खरीदो' बयान से भाजपा के गढ़ में हलचल, नीमच सर्राफा बाजार में कांग्रेस संग दिखे व्यापारी, कांग्रेस ने बनाया बड़ा राजनीतिक मुद्दा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच का सर्राफा बाजार मंगलवार शाम अचानक राजनीतिक रणभूमि में तब्दील होता नजर आया, जब जिला कांग्रेस हाथों में पार्टी का झंडा लेकर घंटाघर स्थित सर्राफा बाजार में उतर गई। कांग्रेस नेताओं ने दुकान-दुकान पहुंचकर व्यापारियों से जनसंवाद किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान को लेकर माहौल गर्माया, जिसमें उन्होंने देशवासियों से एक साल तक सोना नहीं खरीदने, विदेश यात्राएं कम करने, पेट्रोल-डीजल बचाने और वर्क फ्रॉम होम अपनाने की अपील की थी।

राजनीतिक रूप से सबसे अहम बात यह रही कि भाजपा समर्थक माने जाने वाले कई सर्राफा व्यापारियों ने भी खुलकर मोदी के बयान का विरोध किया और कांग्रेस द्वारा उठाए गए मुद्दे को व्यापार हित से जुड़ा बताया। यही वजह रही कि पूरे घटनाक्रम ने शहर की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी।

चांदनी ज्वेलर्स से शुरू हुआ कांग्रेस का 'वार'- कांग्रेस ने जनसंवाद अभियान की शुरुआत चांदनी ज्वेलर्स से की। दुकान संचालक संदीप चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समझ नहीं आ रहा मोदीजी सुनार को खत्म करना चाहते हैं या व्यापार को। बाजार पहले ही मंदी से जूझ रहा है, ऐसे में यह बयान बेरोजगारी और संकट बढ़ाने वाला है। सर्राफा व्यापार सिर्फ दुकानदार नहीं, हजारों परिवारों का पेट पालता है।

सरकार पहले अपना खर्च कम करे- राजु सर्राफ - सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष और आरआर ज्वैलर्स संचालक राजेंद्र गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस अपील से व्यापार बुरी तरह प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता से त्याग मांगने से पहले अपना खर्च कम करना चाहिए। सांसदों-विधायकों के वेतन कम करने चाहिए। इस तरह का बयान व्यापार के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

गोयल ने संकेत दिए कि आने वाले दिनों में सर्राफा एसोसिएशन भी व्यापारियों के साथ बैठक कर अपनी अलग रणनीति तय कर सकती है।

पहले भाजपा नेता पालन करें-रितेश गर्ग- पारसमणि ज्वेलर्स संचालक रितेश गर्ग ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री ऐसी अपील कर रहे हैं तो पहले भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को इसका पालन करना चाहिए। सोना भारतीय परिवार और संस्कृति का हिस्सा है। जिसने सोना खरीदा, उसने भविष्य सुरक्षित किया।

कांग्रेस ने बनाया बड़ा राजनीतिक मुद्दा- जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने प्रधानमंत्री के बयान को व्यापार विरोधी बताते हुए कहा कि यह छोटे व्यापारियों, कारीगरों और मजदूरों के पेट पर लात मारने जैसा है। उन्होंने कहा कि पहले ही महंगाई और सोने के बढ़ते दामों से बाजार प्रभावित है, ऊपर से ऐसा बयान सर्राफा कारोबार को तोड़ने वाला है।

नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है, जबकि छोटे व्यापारियों और आम लोगों से त्याग मांग रही है। उन्होंने कहा कि जनता से बलिदान मांगा जा रहा है और सत्ता खर्च कम करने को तैयार नहीं है।

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशा सांभर ने बयान को महिला विरोधी बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के श्रृंगार और विवाह परंपरा में जेवर का विशेष महत्व है। संस्कृति को खत्म करने की कोशिश कभी सफल नहीं होगी।

भाजपा के गढ़ में कांग्रेस का नया दांव- पूरे घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि कांग्रेस जिन व्यापारियों से संवाद कर रही थी, उनमें कई ऐसे चेहरे भी थे जिन्हें शहर में भाजपा का मजबूत समर्थक माना जाता है। बावजूद इसके, व्यापारियों ने खुलकर प्रधानमंत्री के बयान पर नाराजगी जाहिर की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस ने महंगाई, मंदी और व्यापारिक असंतोष को जोड़ते हुए भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने का बड़ा दांव खेला है।

अब देखना यह होगा कि सर्राफा व्यापारियों की नाराजगी केवल बयान तक सीमित रहती है या आने वाले दिनों में यह मुद्दा भाजपा के लिए राजनीतिक चुनौती बनता है।

इंदिरा कुंवर राणावत निर्विरोध चुनी गईं जिला राजपूत समाज की महिला जिलाध्यक्ष

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला राजपूत समाज संगठन की पूर्व में 3 मई 2026 को संपन्न हुई बैठक के निर्णय अनुसार, महिला इकाई के निर्वाचन हेतु 11 मई 2026 को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित महिला सदस्यों के बीच संगठन की नई महिला जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया संपन्न हुई। निर्वाचन के दौरान श्रीमती प्रमिला कुंवर देवड़ा ने महिला जिलाध्यक्ष के पद हेतु श्रीमती इंदिरा कुंवर राणावत के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका श्रीमती ज्योति कुंवर राठौर ने सहर्ष समर्थन किया। इस प्रस्ताव का वहां उपस्थित सभी महिला सदस्यों ने एकमत होकर और हर्षोल्लास के साथ तालियां बजाकर अनुमोदन किया, जिसके फलस्वरूप श्रीमती इंदिरा कुंवर राणावत को सर्वसम्मति से निर्विरोध महिला जिलाध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन के पश्चात आयोजित स्वागत समारोह में पूर्व विधायक की धर्मपत्नी श्रीमती देवेन्द्र कुंवर सिसोदिया एवं पूर्व अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर भाटी ने नवीन जिलाध्यक्ष श्रीमती राणावत को माला पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राजपूत समाज के जिलाध्यक्ष रूगनाथ सिंह राठौर काचरिया ने भी श्रीमती इंदिरा कुंवर राणावत को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई प्रेषित की। जिला राजपूत समाज संगठन मंदसौर के सचिव भूपेंद्र सिंह राठौर (खेड़ी) ने उक्त जानकारी दी।

ग्राम इटावाखुर्द में लगाई जल चौपाल

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने एवं जल संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु लगातार जल चौपाल आयोजित की जा रही हैं।

शासकीय वेयर हाउसों में गेहूं लाने वाले वाहनों की आरटीओ ने की सघन जांच, बिना फिटनेस-परमिट के 4 ट्रकों पर कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी श्री नंदलाल गामड़ एवं टीम ने मंगलवार को जिले के शासकीय वेयर हाउसों में गेहूं परिवहन करने वाले वाहनों की सघन जांच की गई। नीमच तहसील के नर्मदा वेयर हाउस, महेश्वरी वेयर हाउस, शासकीय वेयर हाउस डुंगलावदा, शासकीय वेयर हाउस नीमच एवं मनासा तहसील के हरिहर वेयर हाउस व आदिनाथ वेयर हाउस में कुल 25-30 वाहनों एवं दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान 3 ट्रक बिना फिटनेस एवं 1 ट्रक बिना परमिट के पाये गये, जिन पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 25,000 का शमन शुल्क वसूल किया गया। वेयर हाउस के संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वेयर हाउस में आने वाले वाहनों के दस्तावेजों की जांच निरंतर करते रहें। यदि बिना पूर्ण दस्तावेज के कोई वाहन पाया जाये तो इसकी सूचना तत्काल परिवहन कार्यालय को दें। आरटीओ श्री नंदलाल गामड़ ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यवाही निरंतर रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आचार्य शांति सागर संत निलय भवन लोकार्पण समारोह सम्पन्न

रथ यात्रा व सम्मान समारोह में उमड़े समाजजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आचार्य वर्धमान सागर महाराज, सुमित सागर महाराज के दिशा निर्देशन में मुनि वैराग्य सागर महाराज एवं मुनि सुप्रभ सागर जी महाराज के सानिध्य में पुस्तक बाजार नीमच स्थित दिगंबर जैन मंदिर के समीप नवनिर्मित आचार्य शांति सागर संत निलय भवन के लोकार्पण समारोह का शुभारंभ मंगलवार को धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ।

सुबह 6ः30 बजे आचार्य शांति सागर मार्ग स्थित दिगंबर जैन समाज मंदिर में अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया गया। इसके बाद सुबह 7 बजे भव्य रथ यात्रा निकाली गई, जो कमल चौक, कीर्ति स्तंभ, फव्वारा चौक, बड़े बालाजी मंदिर, बारादरी चौराहा, नया बाजार, बिहारगंज, श्रीराम चौक, नरसिंह मंदिर, घंटाघर, बिचला गोपाल मंदिर सहित नगर के प्रमुख मार्गो से होकर पुनः दिगंबर जैन मांगलिक भवन पहुंची, जहां धार्मिक एवं सामाजिक सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

रथ यात्रा में महिलाएं लाल-पीले परिधानों में मंगल कलश लेकर चल रही थीं, वहीं समाजजन सफेद परिधानों में सहभागी बने। ढोल-नगाड़ों की धुन पर युवा वर्ग भक्ति में लीन नजर आया। विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के लाभार्थी परिवारजन 16 बग्गी रूपी रथों में विराजित थे। यात्रा में विधायक दिलीप सिंह परिहार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश पप्पू जैन, भाजपा नेता संतोष चोपड़ा सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

17 माह में तैयार हुआ तीन मंजिला संत निलय भवन- दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विजय विनायका जैन ब्रोकर्स एवं मीडिया प्रभारी अमन विनायका ने बताया कि आचार्य शांति सागर महाराज के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समाज द्वारा मात्र 17 माह 20 दिन में संत निलय भवन का निर्माण कराया गया।

तीन मंजिला भवन साधु-संतों के विश्राम, तपस्या, संयम और नियमों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। भवन में सात अलग-अलग कक्ष, विशाल सभागार, स्वचालित इलेक्ट्रिक सेंसर लिफ्ट, हवादार झरोखे और आकर्षक नक्काशी की गई है। भवन को पीवीसी हरियाली, फूलों एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया।

तन, मन और धन के सहयोग से पूर्ण होते हैं सेवा प्रकल्प ः सुप्रभ सागर महाराज- दिगंबर जैन मांगलिक भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुनि सुप्रभ सागर जी महाराज ने कहा कि तन, मन और धन के सहयोग के बिना कोई भी सेवा प्रकल्प पूर्ण नहीं होता। पहले मन की स्वीकृति, फिर धन और उसके बाद परिश्रम की आवश्यकता होती है। समाजजनों ने दिन-रात मेहनत कर अल्प समय में भवन निर्माण पूर्ण कराया है, जिसके लिए सभी साधुवाद के पात्र हैं।

मुनि वैराग्य सागर जी महाराज ने कहा कि किसी भी नगर की पहचान वहां के संस्कारों, मंदिरों और धर्मशालाओं से होती है। उन्होंने समाज विकास में महिलाओं और युवाओं की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य शांति सागर महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मोनिका विनायका ने जिनवाणी जन्म दुख मेट दो... सहित विभिन्न भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दीं। मुनि के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र दान का लाभ भी समाजजनों ने लिया। धर्मसभा का संचालन अजय कासलीवाल एवं विशाल विनायका ने संयुक्त रूप से किया।

31 लाभार्थी परिवारों का हुआ सम्मान- कार्यक्रम में संत निलय भवन निर्माण एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में सहयोग देने वाले 31 लाभार्थी परिवारों का मोती माला एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

शिलान्यास एवं लोकार्पण के पुण्यार्जक परिवार विजय कुमार, विशाल विनायका, अतुल निधि, नितिन विनायका परिवार रहे। इसके अलावा भवन निर्माण, सौंदर्यकरण, कक्ष निर्माण, वात्सल्य भोज एवं अन्य सहयोग देने वाले परिवारों को भी मंच से सम्मानित किया गया।

आज होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन- बुधवार 13 मई को सुबह अभिषेक, शांतिधारा, शांतिनाथ विधान, मुनि द्वय के प्रवचन, संत निलय भवन का लोकार्पण, आहारचर्या एवं सधर्मी वात्सल्य भोज आयोजित होगा। शाम को गुरु भक्ति, 108 दीपकों से महाआरती, भक्ति संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

समारोह में मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात सहित देश-विदेश से बड़ी संख्या में समाजजन के पहुंचने की सूचना मिल रही है।

जनता की आवाज को अब और अनसुना नहीं किया जा सकता-संजय खराड़ी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जयस उज्जैन संभाग अध्यक्ष संजय खराड़ी ने बताया कि सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम देवरी से झलारा तक का सड़क मार्ग आज भी केवल कागजों में ही सीमित होकर रह गया है। खराड़ी का आरोप है कि ग्राम पंचायत द्वारा लाखों रुपये के घोटाले के आरोपों के बीच ग्रामीण वर्षों से बदहाल सड़क की समस्या झेलने को मजबूर हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। रास्ते कीचड़ और पानी से भर जाते हैं, जिससे आमजन का निकलना मुश्किल हो जाता है। छोटे-छोटे बच्चे तक स्कूल नहीं जा पाते, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों द्वारा कई बार विधायक, सांसद, जिला कलेक्टर, तहसीलदार एवं एसडीएम को आवेदन और ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब ग्राम देवरी के निवासी शासन-प्रशासन से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू कर ग्रामीणों को इस समस्या से राहत दिलाई जाए। यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो ग्रामीण जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

जनसुनवाई में कलेक्टर, अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 81 आवेदकों की समस्याएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर अदिती गर्ग एवं अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन ने 81 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान आम नागरिकों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न आवेदन एवं शिकायतों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया। कलेक्टर अदिती गर्ग ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंशन प्रकरणों का करें त्वरित समाधान। पेंशन में किसी प्रकार का विलम्ब न हो। इसके साथ ही सीमांकन एवं नामांतरण के प्रकरणों को लंबित न रखें। आरसीएमएस के प्रकरण का तुरंत समाधान करें।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं आवश्यक निर्देश जारी किए गए। ग्राम सुठी निवासी यशवंतसिंह द्वारा स्वयं की कृषि भूमि पर आने जाने का रास्ता खुलवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर तहसीलदार सितामऊ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी तरह कोटड़ी निवासी हिम्मतसिंह द्वारा क्रमोन्नती वेतन दिलवाने के संबंध में आवेदन दिया गया, जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी मंदसौर को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। पिपलिया मंडी निवासी बालुराम द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर तहसीलदार सितामऊ को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त जनसुनवाई में भावांतर योजना का लाभ दिलवाने, ड्रोन सर्वे करवाने, भूमि की रजिस्ट्री करवाने, नामांतरण हेतु एनओसी जारी करवाने, कृषि भूमि का रास्ता खुलवाने जैसे विविध प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए।

17 मई से बरेखन गौशाला में सजेगा भक्ति का दरबार

संत कमल किशोर नागर सुनाएंगे श्रीमद् भागवत कथा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंचल के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। विश्व विख्यात संत कमल किशोर जी नागर के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ प्रवाह का आयोजन 17 मई से रतनगढ़ समीप स्थित बरेखन गौशाला में प्रारंभ होगा। कथा का आयोजन 23 मई 2026 तक चलेगा।

आयोजन समिति से जुड़े हिम्मत सिंह यादव और शंभूदयाल शर्मा ने बताया कि लंबे समय बाद संत कमल किशोर जी नागर ने नीमच अंचल में कथा आयोजन के लिए सहमति दी है। इससे क्षेत्र के श्रद्धालुओं और उनके अनुयायियों में उत्साह का माहौल है।

कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से होगा, जहां संत कमल किशोर जी नागर भागवत कथा का रसपान कराएंगे। अधिक मास में आयोजित होने वाली इस कथा का धार्मिक महत्व भी विशेष माना जा रहा है।

आयोजन स्थल बरेखन गौशाला में सुरक्षा, बैठक व्यवस्था, पेयजल और पार्किंग सहित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजकों का कहना है कि श्रद्धालुओं को कथा स्थल पर भक्तिमय और आध्यात्मिक वातावरण मिलेगा।

क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

संकट काल में ही देशभक्ति परखी जाती है, इसी समय छुपे हुए गद्दार भी प्रकट होते हैं-शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने अपने शब्दों में कहा है कि रहीम का यह प्रसिद्ध दोहा, रहिमन विपदा हू भली, जो थोरे दिन होय। हित अनहित या जगत में, जानि परत सब कोय। यह सिखाता है कि थोड़े समय के लिए आने वाली मुसीबत भी अच्छी होती है, क्योंकि वह विपत्ति, सच्चे दोस्तों (हितैषी) और दुश्मनों (अहित करने वाले) की पहचान करा देती है, जो सुख में छिपे रहते हैं।

उक्त बात अभी अपने भारत पर पूर्णतया लागू हो रही है। क्योंकि ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण तेल एवं गैस की सप्लाई थोड़ी प्रभावित हो सकती है विदेशी मुद्रा भंडारण की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री जी ने जो अपील की है उसके बाद जिस तरीके से यहां के छुपे हुए लोगों ने अपना रंग दिखाना शुरू किया है वे वास्तव में यदि भारत पर ज्यादा संकट आ जाए तो क्या करेंगे? इसके संकेत मिल रहे हैं।

शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने कहा कि प्रतिदिन देशभक्ति के गीतों को दोहराते हुए यह कहने वाले कि मैं रहूं ना रहूं यह देश रहना चाहिए इस प्रकार के गीत गाने वाले कुछ लोगों का चरित्र, प्रधानमंत्री जी की सलाह को भारत में अफवाहें फैला कर पेट्रोलियम की कमी को हाइलाइट करते हुए जनता को गुमराह करने का काम करने वाले सोशल मीडिया सहित नेताओं का चरित्र हमारे सामने है।

हमारी देशभक्ति कितनी नकली एवं खोकली है? यह सब कुछ जिस तरह से यहां के कतिपय राजनीतिक नेताओं और टीवी चैनलों तथा सोशल मीडिया ने प्रायोजित किए हुए वीडियो समाज के सामने परोस कर भारत को कमजोर दिखाने का जो प्रयास किया जा रहा है वह हम सबके सामने हैं। जबकि भारत पर अभी कोई गंभीर संकट नहीं है और ना ही कोई पेट्रोलियम पदार्थों की कमी हो रही है, केवल प्रधानमंत्री जी ने मितव्ययिता बरतने की अपील की है किंतु फिर भी समाज का वातावरण खराब करना यह देशभक्ति की श्रेणी में कभी नहीं माना जा सकता।

संकट काल में ही नकली देशभक्तों की कलाई खुलकर जनता के सामने आ जाती है। वर्तमान पीढ़ी आज से 50 वर्ष पूर्व तथा आजादी के पहले, अंग्रेजों की गुलामी के समय तथा सामंतवादी शासन के भारत के बारे में बिल्कुल नहीं जानती। अपने पूर्वजों के संकटकाल को यह भूल चुकी हैं कि किस तरह एक अभावग्रस्त भारत, एक अविकसित भारत, साधनहीन भारत, गरीबी बीमारी और भुखमरी से मरने वाला भारत, कैसे कठोर से कठोर संघर्ष करके आज इस अच्छे स्तर पर पहुंचा है, इसका अनुमान और अध्ययन उनको नहीं है।

वर्तमान पीढ़ी ने संघर्ष और पीड़ा को नहीं भोगा है उन्होंने केवल हरा-हरा ही देखा है, यह पीढ़ी दुख सहने की समस्त क्षमताएं खो चुकी है। इसलिए इस विषय पर देश के सक्षम वर्ग को हमेशा चिंता करना चाहिए।

मैं शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा रहा हूं इसलिए अभी भी यदि बचपन से ही शिक्षा क्षेत्र में कठोर अनुशासन तथा कठोर परिश्रम, स्वावलंबन इत्यादि को महत्व नहीं दिया गया तो आने वाली पीढ़ी इस देश को कैसे संभालेगी? यह चिंता का विषय है।

ज्यादा सुविधाएं मनुष्य को आलसी, निष्क्रीय, किंकर्तव्यविमूढ़,स्वार्थी एवं बना देती है। यदि इससे जरा सा भी भौतिक सुख छीन लिया जाए तो यह मनुष्य को भयानक हिंसक बना देती है। इसलिए ज्यादा सुविधा देना यह परिवार में भी ठीक नहीं है और देश के लिए भी ठीक नहीं है।

कलेक्टर कार्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार 12 मई 2026 को कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ.मनीष यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 190 अधिकारी एवं कर्मचारियों के ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर एवं बी.एम.आई. की जांच की गई।

जांच के दौरान 109 लोगों के ब्लड सैंपल लिए गए, जिनमें से 23 लोगों को हाई ब्लड प्रेशर एवं 17 लोगों को हाई ब्लड शुगर की समस्या पाई गई। संबंधित कर्मचारियों को स्वास्थ्य परामर्श देकर आवश्यक चिकित्सीय सलाह एवं उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में संपर्क करने के निर्देश दिए गए।

डॉ.मनीष यादव ने बताया, कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान हो जाती है। सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने एवं जीवनशैली में सुधार लाने की अपील की गई है।

'10 रुपये में दुर्गन्ध का स्वागत—जिला चिकित्सालय का सुलभ शौचालय या बीमारी का अड्डा?'

शुल्क वसूली जारी, सफाई नदारद, क्या मरीजों से वसूला जा रहा पैसा सिर्फ कागज़ों में ही खर्च हो रहा है?

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय परिसर में स्थित सुलभ शौचालय की बदहाल स्थिति ने स्वच्छता व्यवस्थाओं पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक चिंतक असअद अंसारी ने जारी प्रेस वक्तव्य में इस अव्यवस्था को उजागर करते हुए इसे ÷स्वास्थ्य केंद्र में अस्वास्थ्य का अड्डा÷ बताया है।उन्होंने कहा कि जिस शौचालय के उपयोग के लिए प्रत्येक मरीज एवं उनके परिजनों से 10 रुपये वसूले जाते हैं, वहां प्रवेश करते ही दुर्गन्ध का सामना करना पड़ता है। उपलब्ध तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई देता है कि बेसिन, यूरिनल एवं शौचालय सीटें अत्यंत गंदगी की स्थिति में हैं, जिनका उपयोग करना तक कठिन है। असअद अंसारी ने बताया कि ड्रेन के लिए नलों में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है और उपयोगकर्ताओं को एक खुली टंकी से पानी भरकर शौचालय में डालना पड़ता है। खुली टंकी में मलेरिया के मच्छर उत्पन्न होते हैं यह स्थिति न केवल असुविधाजनक है बल्कि संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब यह शौचालय रोगी कल्याण समिति के माध्यम से ठेके पर संचालित होता है और नियमित रूप से शुल्क वसूला जाता है, तो सफाई एवं रखरखाव के लिए प्राप्त राशि आखिर खर्च कहां हो रही है? लगभग 20- 25 वर्ष पुराने इस शौचालय में मेंटेनेंस के नाम पर लापरवाही स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

असअद अंसारी ने यह भी कहा कि अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों एवं उनके परिजनों को ऐसी परिस्थितियों में शौचालय का उपयोग करने के लिए मजबूर करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और यह स्थिति स्वयं बीमारियों को आमंत्रण देने जैसी है। अतः उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि शौचालय की तत्काल सफाई एवं आवश्यक मरम्मत करवाई जाए,नियमित निगरानी एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए इस शौचालय को निःशुल्क किया जाए। उन्होंने चेतावनी स्वर में कहा कि यदि शीघ्र सुधार नहीं किया गया, तो यह मुद्दा व्यापक जनहित का विषय बनकर उभरेगा।

सम्पादकीय

विकासशील देशों के लिए आर्थिक तथा ऊर्जा आपातकाल की प्रासंगिकता

विश्व राजनीति में जब भी पश्चिम एशिया अर्थात मध्यपूर्व में तनाव बढ़ता है, उसका सबसे अधिक प्रभाव विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वर्तमान समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का राजनीतिक विवाद नहीं है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, तेल बाजार, महंगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ विषय बन चुका है। यदि यह तनाव युद्ध का रूप लेता है, तो विकासशील देशों के सामने आर्थिक तथा ऊर्जा आपातकाल जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल तथा अफ्रीका और एशिया के अनेक देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बड़े पैमाने पर खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। ऐसे में अमेरिका ईरान संघर्ष सीधे तौर पर तेल की कीमतों, विदेशी मुद्रा भंडार और आम जनता के जीवन को प्रभावित करता है।

ईरान विश्व के सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस भंडार वाले देशों में गिना जाता है। यह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट स्थित है, जहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल टैंकर गुजरते हैं। यदि युद्ध या सैन्य तनाव के कारण इस मार्ग में बाधा आती है, तो पूरी दुनिया में तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर तनाव बना हुआ है। कई बार अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान का तेल निर्यात प्रभावित हुआ, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ीं।।विकासशील देशों पर जिसका सीधा प्रभाव पढ़ने लगता है।

ऊर्जा किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की धड़कन होती है। उद्योग, परिवहन, कृषि, बिजली उत्पादन और संचार सभी ऊर्जा पर आधारित हैं। जब तेल महंगा होता है तो हर वस्तु की कीमत बढ़ने लगती है।

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है और अपनी आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। यदि अमेरिका ईरान युद्ध के कारण तेल कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचती हैं, तो भारत जैसे देशों के लिए स्थिति गंभीर हो सकती है।भारत प्रतिदिन लगभग 50 लाख बैरल से अधिक तेल की खपत करता है।

देश अपनी गैस आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत हर वर्ष लगभग 700 से 900 टन सोना आयात करता है, जिस पर 40 से 50 अरब डॉलर तक खर्च होते हैं। पेट्रोलियम आयात पर भारत का वार्षिक खर्च कई बार 150 अरब डॉलर से अधिक पहुंच जाता है।यदि युद्ध के कारण तेल महंगा हो जाए तो विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी दबाव पड़ता है। इससे रुपये की कीमत गिरती है और महंगाई बढ़ती है।

अमेरिका- ईरान युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव आम लोगों पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल महंगे होते ही परिवहन खर्च बढ़ जाता है खाद्यान्न और सब्जियों की कीमतें बढ़ जाती हैं,बिजली उत्पादन महंगा हो जाता है,उद्योगों की लागत बढ़ती है बेरोजगारी और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ जाता है।

विकासशील देशों में पहले से ही बड़ी आबादी गरीबी और सीमित आय में जीवन बिताती है। ऐसे में ऊर्जा संकट सामाजिक असंतोष भी पैदा कर सकता है।।ऐसी परिस्थितियों में विकासशील देशों को ऊर्जा और आर्थिक आपातकाल जैसी रणनीतिक तैयारी करनी पड़ती है। इसका उद्देश्य जनता को घबराना नहीं बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना होता है।अनावश्यक बिजली और ईंधन की खपत रोकना अत्यंत आवश्यक है। सरकारों को ऊर्जा बचत अभियान चलाने चाहिए।।सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैव ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना समय की मांग है। भारत ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, किंतु अभी भी जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता अधिक है।

युद्ध या संकट के समय उपयोग के लिए तेल का सुरक्षित भंडारण आवश्यक है। भारत ने कुछ रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बनाए हैं, पर भविष्य में इन्हें और बढ़ाने की आवश्यकता है। जब विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ता है तब अनावश्यक स्वर्ण आयात आर्थिक संकट को और बढ़ाता है। इसलिए सरकारें कई बार सोने पर आयात शुल्क बढ़ाती हैं।

वैश्विक राजनीति और ऊर्जा युद्ध- आज दुनिया में युद्ध केवल सीमाओं के लिए नहीं बल्कि ऊर्जा संसाधनों और आर्थिक प्रभुत्व के लिए भी लड़े जाते हैं।

अंतरमन की मौन क्रांति – सहजयोग

श्री माताजी निर्मला देवी के अनुसार सहजयोग केवल ध्यान की एक साधना नहीं, बल्कि मानव चेतना के जागरण का एक दिव्य माध्यम है। उन्होंने अपने प्रवचनों में बताया कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक सूक्ष्म आध्यात्मिक शक्ति विद्यमान है, जिसे कुंडलिनी कहा जाता है। यह शक्ति जब जागृत होती है, तब व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप अर्थात आत्मा का अनुभव करता है। इसी अनुभव को आत्मसाक्षात्कार कहा गया है। अंतरमन की मौन क्रांति इसी आत्मजागरण की वह प्रक्रिया है, जिसमें मनुष्य बिना किसी बाहरी संघर्ष, प्रदर्शन या कठोर तपस्या के भीतर से रूपांतरित होने लगता है। यह क्रांति मौन इसलिए है क्योंकि इसका परिवर्तन बाहरी शोर में नहीं, बल्कि मन और चेतना की गहराइयों में घटित होता है।

श्री माताजी कहती थीं कि आधुनिक युग का मनुष्य विज्ञान, तकनीक और भौतिक उपलब्धियों में तो अत्यंत प्रगति कर चुका है, परंतु मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन से दूर होता जा रहा है। जीवन की भागदौड़, तनाव, भय, क्रोध, असुरक्षा और प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को भीतर से अशांत कर दिया है। ऐसे समय में सहजयोग व्यक्ति को अपने भीतर लौटने का मार्ग दिखाता है। जब साधक ध्यान के माध्यम से निर्विचार समाधि की अवस्था में पहुँचता है, तब उसके विचार शांत होने लगते हैं और वह वर्तमान क्षण में स्थित होकर गहरे आनंद तथा शांति का अनुभव करता है। श्री माताजी के अनुसार यही वह अवस्था है जहाँ से वास्तविक परिवर्तन प्रारंभ होता है, क्योंकि मनुष्य अपने अहंकार और मानसिक भ्रमों से ऊपर उठकर सत्य को अनुभव करने लगता है।

सहजयोग किसी एक धर्म, जाति, राष्ट्र या संप्रदाय तक सीमित नहीं है। यह सम्पूर्ण मानवता के लिए एक सार्वभौमिक आध्यात्मिक पथ है। श्री माताजी का विश्वास था कि सभी धर्मों का सार एक ही है – आत्मा की शुद्धता और परमात्मा से एकत्व। सहजयोग उसी एकत्व को प्रत्यक्ष अनुभव के रूप में स्थापित करता है। उनके शब्दों में, धर्म कोई बाहरी पहचान नहीं, बल्कि हमारे भीतर की जागृत चेतना है।

अंतरमन की मौन क्रांति का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता। जब किसी व्यक्ति के भीतर शांति, प्रेम और संतुलन स्थापित होता है, तब उसका व्यवहार परिवार, समाज और आसपास के वातावरण को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगता है। सहजयोग के माध्यम से व्यक्ति में करुणा, क्षमा, सहनशीलता और सामूहिकता की भावना विकसित होती है। वह दूसरों को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि अपने ही अस्तित्व का हिस्सा समझने लगता है। इस प्रकार सहजयोग मानव समाज में एक ऐसे परिवर्तन का आधार बनता है, जहाँ बाहरी संघर्षों के स्थान पर आपसी समझ, प्रेम और शांति का वातावरण निर्मित हो सके।

श्री माताजी ने यह संदेश दिया कि सच्चा परिवर्तन किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर से प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा था, यदि दीपक के भीतर ही प्रकाश न हो, तो वह संसार को कैसे प्रकाशित करेगा? सहजयोग उसी आंतरिक प्रकाश को जागृत करने की प्रक्रिया है। यह मनुष्य को स्वयं से जोड़कर उसे आत्मविश्वास, विवेक और आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करता है। इस प्रकार अंतरमन की मौन क्रांति केवल एक आध्यात्मिक विचार नहीं, बल्कि मानव जीवन को शांति, प्रेम, सत्य और सामूहिक चेतना की दिशा में ले जाने वाली एक गहन और जीवंत प्रक्रिया है।

साधारण जीवन के असाधारण अर्थ- जब आदतें बन जाएँ राष्ट्रधर्म

अंतरराष्ट्रीय राजनीति के क्षितिज पर जब अस्थिरता और संघर्ष की परछाइयाँ लगातार घनी होती जा रही हैं, तब ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता अब सिर्फ अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं रह गया, बल्कि देशों के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। ईरान-इज़राइल-अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जैसे रणनीतिक मार्ग को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति की रीढ़ डगमगा गई है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश इस दबाव को विशेष रूप से झेल रहे हैं। ऐसे संवेदनशील समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूसरा आह्वान केवल एक सरकारी संदेश नहीं, बल्कि पूरे समाज को सचेत करने वाली गूंज है, जो यह स्पष्ट करता है कि आने वाले समय की दिशा केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और अनुशासन से तय होगी।

अब समय केवल संसाधन बचाने का नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने का संकेत दे रहा है। प्रधानमंत्री का यह संदेश साफ करता है कि आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कामकाज और आदतों में बदलाव जरूरी होगा। वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना, बैठकों को डिजिटल माध्यम तक सीमित रखना और अनावश्यक यात्राओं से बचना सीधे ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने का प्रयास है। जो काम बिना सफर के हो सकते हैं, वे अब केवल सुविधा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित का विषय हैं। यह सोच बताती है कि आधुनिकता केवल तेज रफ्तार में नहीं, बल्कि समझदारी भरे निर्णयों में भी दिखाई देती है। जब करोड़ों लोग अपनी आदतें बदलते हैं, तो उसका असर दुनिया के बाजारों और ऊर्जा संतुलन तक महसूस होता है।

शहरों की सड़कों पर दौड़ती वाहनों की लंबी कतारें अब केवल भीड़ का दृश्य नहीं, बल्कि बढ़ती ईंधन निर्भरता की चेतावनी बन चुकी हैं। ऐसे समय में कार पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को अपनाने का संदेश साधारण सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी को मजबूत करने वाला कदम है। जब कई लोग एक ही वाहन से सफर करते हैं, तो सिर्फ पेट्रोल की बचत नहीं होती, बल्कि धुआँ और ट्रैफिक का दबाव भी कम होता है। सड़कों की रफ्तार संतुलित होती है, प्रदूषण घटता है और समय की बर्बादी भी कम होती है। यह बदलाव उस नई नागरिक सोच की ओर इशारा करता है, जहाँ व्यक्तिगत आराम से ऊपर सामूहिक हित और पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व दिया जा रहा है।

देश की अर्थव्यवस्था पर सबसे गहरा असर उन आदतों का पड़ता है, जिन्हें समाज वर्षों से समृद्धि का प्रतीक मानता आया है। सोना भी ऐसी ही परंपरा है, जिसने भारतीय मानसिकता में सुरक्षा, प्रतिष्ठा और गौरव का स्थान बना रखा है। लेकिन जब यही आकर्षण विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ाने लगे, तब सोच बदलना जरूरी हो जाता है। एक वर्ष तक अनावश्यक सोने की खरीद से बचने की अपील केवल आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है। यह विचार बताता है कि असली समृद्धि तिजोरियों की चमक में नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता में बसती है। जब व्यक्तिगत प्रदर्शन और पुरानी परंपराएँ राष्ट्रीय हितों पर बोझ बनने लगें, तब संयम सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म बन जाता है।

आज आर्थिक मजबूती केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि नागरिकों की उपभोग आदतों से भी तय हो रही है। विदेशी यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और आयातित वस्तुओं पर बढ़ता खर्च अब निजी पसंद से आगे बढ़कर राष्ट्रीय संसाधनों पर असर डालने लगा है। ऐसे समय में विदेशी निर्भरता घटाने और स्थानीय विकल्प अपनाने का संदेश महत्वपूर्ण हो जाता है। 'लोकल फॉर वोकल' अब केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की मजबूत रणनीति बन चुका है। जब लोग देश के उत्पादों, उद्योगों और पर्यटन को प्राथमिकता देते हैं, तो विदेशी मुद्रा बचने के साथ स्थानीय बाजार, रोजगार और उत्पादन को भी नई गति मिलती है। यही सोच आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बन सकती है।

राष्ट्र पर आने वाले बड़े संकट अक्सर युद्धभूमि में नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की आदतों में जीते या हारे जाते हैं। यही कारण है कि इस आह्वान में रसोई के तेल से लेकर खेतों में उर्वरकों के उपयोग तक, हर छोटी बात को राष्ट्रीय जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। संदेश स्पष्ट है कि केवल सरकारी नीतियाँ नहीं, बल्कि नागरिकों का अनुशासन भी देश की ऊर्जा और आर्थिक सुरक्षा तय करता है। जब हर घर बचत को संस्कार और संयम को कर्तव्य बना लेता है, तब उसका प्रभाव पूरे राष्ट्र की स्थिरता पर दिखाई देता है। यह सोच आम नागरिक को मात्र उपभोक्ता नहीं, बल्कि संसाधनों का सजग प्रहरी बना देती है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और विरोध के शोर के बावजूद इस आह्वान की गंभीरता कम नहीं होती। सरकार का कहना है कि फिलहाल ऊर्जा भंडार पर्याप्त हैं, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं को अनदेखा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। यही कारण है कि यह पहल भय नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी मजबूत करने के उद्देश्य से लाई गई है। इस सोच में नागरिकों को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी माना गया है। यह मॉडल बताता है कि किसी देश की वास्तविक ताकत केवल सरकारों में नहीं, बल्कि जनता की सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता में छिपी होती है।

संकट के समय किसी राष्ट्र की पहचान उसके संसाधनों से नहीं, बल्कि नागरिकों की जागरूकता और अनुशासन से होती है। यही आह्वान केवल बचत का संदेश नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की नई सोच है। वर्क फ्रॉम होम, कार पूलिंग, सोने पर संयम और स्थानीय उत्पाद अपनाने जैसे कदम देश को बाहरी झटकों के सामने मजबूत बनाते हैं। यह तेल संकट से निपटने की तैयारी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता राष्ट्रीय संकल्प है। जब व्यक्तिगत सुविधाओं से ऊपर राष्ट्रहित को महत्व मिलता है, तभी वास्तविक बदलाव जन्म लेते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भंडार पर्याप्त हैं, लेकिन भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए यह जन-आंदोलन आवश्यक है। इतिहास में वही देश मजबूत बनते हैं, जो संकट को परिवर्तन का अवसर बना लेते हैं।

-प्रो. आरके जैन

प्रधानमंत्री मोदी का विदेशी मुद्रा बचाने के लिए देश को एकजुट होने का आह्वान

होर्मुज स्ट्रेट संकट का वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। इस प्रकार यह मुद्रास्फीति, उत्पादन और वृद्धि पर भी असर डालेगा। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि संकट कब तक जारी रहेगा। यह बात सराहनीय है कि केंद्र सरकार इस खतरे को गंभीरता से ले रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया भाषण यह दिखाता है कि सरकार इस भू-राजनीतिक झटके के संभावित खतरों को समझती है।

खासतौर पर वह खतरा जो व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए है। जब कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं तो भारत विशेष रूप से अपने बाहरी खाते पर दबावों को लेकर संवेदनशील हो जाता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने विदेशी मुद्रा बचाने के महत्त्व पर सावधानीपूर्वक जोर दिया। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए सात अपीलों के रूप में प्रस्तुत किया। इनमें विदेश यात्रा को कम से कम करना, खाना पकाने में तेल की मात्रा कम करना और पेट्रोल व डीजल की खपत घटाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने किसानों से कम उर्वरक उपयोग करने का आह्वान भी किया जो आयातित उत्पादों पर निर्भर हैं और पेट्रोकेमिकल आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा हैं। इसके अलावा, सोना न खरीदने की अपील भी की गई। ध्यान रहे देश में सोने की खरीद विदेशी मुद्रा पर स्थायी बोझ है।

सरकार की मंशा सराहनीय है। व्यवहार संबंधी जो भी निर्देश दिए गए हैं वे मूल्यवान हैं लेकिन नीतिगत विकल्प और भी अधिक मायने रखते हैं। यदि सरकार बदली हुई आपूर्ति स्थिति के जवाब में कीमतों को शीघ्रता से समायोजित करने की अनुमति देती है तो लोग स्वतः ही उसका पालन करेंगे।

भारतीय राजनीति में कीमतों में बदलाव की इजाजत देने में एक किस्म की हिचकिचाहट है क्योंकि इससे कमजोर वर्गों पर प्रभाव पड़ने का डर है। यह स्वाभाविक चिंता है। परंतु किसी भी प्रकार की पीड़ा को लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से दूर किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, सरकार ने पहले ही इस उद्देश्य के लिए एक क्रेडिट गारंटी योजना तैयार की है।

हालांकि ऐसी चिंताएं कीमतों का उपयोग न करने का कारण नहीं हैं। विशेष रूप से पेट्रोल और डीजल की खपत को कम करने की संभावना तब ज्यादा है जब इन वस्तुओं की कीमतों को वैश्विक कीमतों के अनुरूप नियंत्रित करते हुए जवाबदेह तरीके से बढ़ाने की अनुमति दी जाए। यह तकनीकी रूप से वही प्रणाली है जो भारत में कुछ हद तक पहले से मौजूद है। लेकिन तथ्य यह है कि अभी भी कीमतों के समायोजन स्तर को लेकर राजनीतिक प्रतिबंध हैं। अब जबकि सरकार इसे स्पष्ट संकट मान रही है तो ऐसे संकट के समय में इन प्रतिबंधों को अलग रख देना चाहिए।

विपक्षी दलों के कुछ लोग पहले से ही संकेत देने लगे हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई भी बदलाव राजनीतिक मुद्दा बन जाएगा। लेकिन इन बातों को नजरअंदाज करना चाहिए।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

-ललित गर्ग

अमेरिका की व्यापारिक सख्ती के बीच ब्रिटेन और EU से उम्मीदें

होर्मुज स्ट्रेट की लगातार नाकाबंदी और ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्क के कारण बाहरी क्षेत्र पर जो दबाव बना है उसे देखते हुए भारत के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वह मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के माध्यम से अपने बाजार विविधता के प्रयासों को गति प्रदान करे। खासकर वे जो उसने ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ किए हैं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को भी तार्किक निष्कर्ष तक ले जाना आवश्यक है। हालांकि दोनों ही मामलों में कुछ चुनौतियां हैं।

अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू हो गई हैं। ऐसे में कई कारक परिणामों पर अनिश्चितता की छाया डालते रहेंगे। सबसे प्रमुख बात यह कि 7 फरवरी को घोषित अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे का आधार यानी 25 फीसदी जवाबी शुल्क अमान्य हो गया है क्योंकि अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए शुल्क को पलट दिया है। अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत सभी व्यापार भागीदारों पर लगाया गया 10 फीसदी का समान शुल्क 24 जुलाई को समाप्त होने वाला है।

दिलचस्प बात यह है कि यह कानूनी जांच का सामना भी कर रहा है, क्योंकि अमेरिका फिलहाल किसी 'भुगतान संतुलन' संकट का सामना नहीं कर रहा है, जो धारा 122 के तहत शुल्क लगाने की आवश्यक शर्त है।

जवाबी शुल्क की जगह अमेरिका ने अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत 'अनुचित व्यापार प्रथाओं' पर त्वरित आधार पर जांच शुरू की है, जो कई व्यापार भागीदारों को लक्षित करती है। भारत को 'औद्योगिक अतिरिक्त क्षमता' और 'बंधुआ मजदूरी' के लिए इन जांचों में शामिल किया गया है। भारत ने इस महीने की शुरुआत में अमेरिका को अपनी लिखित टिप्पणियों में एक सशक्त जवाब दिया है। भारत को इसे चल रही व्यापार समझौता वार्ताओं में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना होगा।

यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि धारा 301 के तहत, यदि जांच व्यापार भागीदार की भेदभावपूर्ण व्यापार प्रथाओं की पुष्टि करती है, तो अमेरिका आयात प्रतिबंधों और व्यापार समझौता रियायतों की वापसी या निलंबन सहित बहुत व्यापक सुधारात्मक कार्रवाइयां लागू कर सकता है। इस धारा के तहत लगाए गए शुल्क पर धारा 122 जैसी सीमा नहीं होती, और इस अधिनियम के तहत अमेरिका की कार्रवाई की अवधि चार वर्ष तय है लेकिन उसे कांग्रेस की मंजूरी के बिना भी आगे बढ़ाया जा सकता है। इस संदर्भ में यह याद करना उपयोगी होगा कि ट्रंप द्वारा राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल के दौरान चीन पर धारा 301 के तहत लगाए गए शुल्क न केवल राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा बरकरार रखे गए थे, बल्कि उन्हें सेमीकंडक्टर और सौर पैनलों जैसे अन्य रणनीतिक अमेरिकी आयात तक भी विस्तारित किया गया था।

धारा 232, जिसके तहत अमेरिका पहले ही इस्पात और एल्युमीनियम पर उच्च शुल्क लगा चुका है, उसे इन धातुओं से बनी चीजों तक भी विस्तारित कर दिया गया है। सेमीकंडक्टर और औषधियों के लिए भी नई जांच शुरू की गई है। अमेरिका के साथ चल रही वार्ताओं में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि इन वस्तुओं पर भविष्य में उच्च शुल्क की संभावनाओं के विरुद्ध रियायतें प्राप्त हों, क्योंकि ये मौजूदा और संभावित निर्यात संभावनाओं के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया ने पिछले वर्ष अमेरिका के साथ अपने व्यापार समझौते में धारा 232 की वस्तुओं पर पूर्व रियायतें हासिल करने में सफलता पाई। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए, यद्यपि गहरे और संभावित रूप से लाभकारी हैं, निर्यातकों को कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। ब्रिटेन 1 जनवरी, 2027 से छह वस्तुओं पर सीबीएएम लागू करेगा। ये हैं एल्युमीनियम, सीमेंट, उर्वरक, हाइड्रोजन, और लोहा व इस्पात। भारत-यूके एफटीए जिसे अगले महीने लागू किया जाना है उसमें सीबीएएम पर कोई प्रावधान शामिल नहीं है, लेकिन बताया गया है कि भारत ने एक 'रीबैलेंसिंग मैकेनिज्म' पर बातचीत की है जिसके विवरण ज्ञात नहीं हैं। हालांकि, चूंकि ब्रिटेन के आयातकों को कार्बन उत्सर्जन के लिए वास्तविक सत्यापित डेटा या सरकारी डिफॉल्ट मान का उपयोग करने का विकल्प मिलेगा, सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सत्यापकों की संख्या बढ़ाने में मदद करनी चाहिए ताकि भारत के निर्यात को आसान और बेहतर बनाया जा सके।

यह विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रासंगिक है, जो बड़े उत्पादकों के विपरीत वैश्विक सत्यापकों का खर्च वहन नहीं कर सकते। यह यूरोपीय संघ के सीबीएएम के दृष्टिकोण से भी महत्त्वपूर्ण है, जो पहले से ही प्रभावी है। वास्तव में भारत को यूरोपीय संघ के साथ अपने एफटीए में सीबीएएम से कोई छूट या रियायत नहीं दी गई है। जनवरी में छह वस्तुओं पर सीबीएएम लागू करने के बाद, यूरोपीय संसद अब कवरेज को 180 वस्तुओं तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। विस्तारित सूची का उद्देश्य मूल्य श्रृंखला में उत्पादों के साथ-साथ अप्रत्यक्ष उत्सर्जन को भी शामिल करना है। उदाहरण के लिए, इस्पात और एल्युमीनियम से बनी वस्तुएं जैसे वाहन और वाहन कलपुर्जे, चैसी, इंजन, सस्पेंशन सिस्टम और गियरबॉक्स आदि विस्तारित सूची में सीबीएएम के तहत शामिल हैं। ये उन महत्त्वपूर्ण निर्यातों में से हैं जहां भारत आगे विस्तार की उम्मीद कर रहा है, क्योंकि उसने द्विपक्षीय एफटीए के तहत महत्त्वपूर्ण शुल्क रियायतें हासिल की हैं।

बिजली और परिवहन जैसी वस्तुओं को विस्तारित सूची में शामिल करने का अर्थ है कि अंतर्निहित उत्सर्जन को भी सीबीएएम के तहत लाया जाएगा। इससे उत्पादकों और नियामक अधिकारियों, दोनों के लिए अतिरिक्त जटिलता और लागत उत्पन्न होगी। इसलिए, अधिक ऊर्जा-कुशल उत्पादन विधियों के साथ-साथ, एमएसएमई क्षेत्र को मार्गदर्शन और आवश्यक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी ताकि मूल्य श्रृंखला में अंतर्निहित कार्बन उत्सर्जन का आकलन किया जा सके।

-धनंजय राजौरा

जनसुनवाई में कलेक्टर सिंह सख्त, जनता की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

आवास, पेंशन, भू-स्वामित्व, राजस्व रिकॉर्ड समेत दर्जनों आवेदनों पर मौके पर दिए समाधान के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के निर्देश- जनसुनवाई में बारोली निवासी कैलाश पिता रामचंद्र ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वृद्धा पेंशन प्रकरण में त्वरित जांच के आदेश- नांदेल निवासी नगजीराम ने वृद्धा पेंशन स्वीकृत कराने हेतु आवेदन दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभाग को जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

भू-स्वामित्व योजना के तहत मकान पट्टा दिलाने की मांग- खरपड़ी निवासी गोवर्धनसिंह ने मुख्यमंत्री भू-स्वामित्व योजना अंतर्गत मकान का पट्टा दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

कृषि भूमि के राजस्व रिकॉर्ड सुधारने का मामला- बारोड पिपल्या निवासी राकेश पिता रामचंद्र ने कृषि भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में सुधार कराने संबंधी आवेदन दिया। इस पर भी संबंधित विभाग को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।

अन्य महत्वपूर्ण आवेदन भी पहुंचे- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन सीमांकन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामांकन, बंटवारा, रास्तों से अतिक्रमण हटाने, नालियों की साफ-सफाई सहित अनेक जनसमस्याओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिले में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मजबूती से कर रहा हे काम . भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ .मनोज माने

पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश मंत्री श्री बबलू गौड़ जी का बुरहानपुर आगमन पर किया स्वागत

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश मंत्री श्री बबलू गौड़ जी का मंगलवार को बुरहानपुर आगमन हुआ । इस अवसर पर भाजपा कार्यालय पर बुरहानपुर प्रथम आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत जिलाध्यक्ष डॉ .मनोज जी माने , पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजूभाई पाटिल, महामंत्री रूपेश लिहंकर , जिला मंत्री सुनील जी वाघे, डॉ दीपक वाभले , करन प्रजापति , कार्यालय मंत्री अशोक राठौर सहित मोर्चा पदाधिकारी,कार्यकर्ता द्वारा तिलक लगाकर एवं भाजपाई अंगवस्त्र पहनाकर किया गया ।

भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ . मनोज जी माने ने पिछड़ा वर्ग मोर्चा बैठक को संबोधित करते हुवे जिला में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कामों की प्रशंसा की। आपने कहा कि मोर्चा पार्टी कार्यक्रमों एवं चुनावों में अपनी मजबूत स्थिति को सिद्ध करता रहा हे। आपने मोर्चा संगठन को ग्रासरूट लेबल तक पहुंचाने, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने की बात कही ।

प्रदेश मंत्री बबलू गौड़ ने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला बैठक में प्रदेशाध्यक्ष पवन जी पाटीदार के संदेश को अभिव्यक्त करते हुवे संगठन का विस्तार करते हुवे , मतदाताओं तक ओर मजबूत पकड़ बनाने का आव्हान किया । इस दौरान संगठनात्मक कार्यों, मंडलों की बैठकों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री पवन पाटीदार जी के बुरहानपुर प्रवास को लेकर भी चर्चा हुई।

बैठक में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रमिक परिवारों के लिए वरदान बनीं शासकीय योजनाएं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में श्रमिकों को जीवन के हर महत्वपूर्ण पड़ाव पर आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

मुख्य लाभ एक नजर में- प्रसूति सहायता – 16 हजार रुपये, बेटियों के विवाह हेतु – 49 हजार रुपये, आयुष्मान भारत के तहत 5 लाख, रुपये तक निःशुल्क उपचार, उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आर्थिक सहायता, घर निर्माण के लिए 1 लाख रुपये तक अनुदान, बिजली से चलने वाले दोपहिया वाहन हेतु 40 हजार रुपये तक सहायता, कामकाज के जरूरी औजारों के लिए आर्थिक मदद, प्रदेश सरकार द्वारा 'श्री' अभियान के माध्यम से गांव-गांव और वार्ड स्तर तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है, वहीं 'श्रमणा' योजना के तहत महिला श्रमिकों को कार्यस्थलों पर स्वच्छ पानी, विश्राम, बच्चों की देखभाल और सुरक्षित वातावरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ये योजनाएं आज लाखों श्रमिक परिवारों के लिए सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन रही हैं।

1 जुलाई से मध्यप्रदेश में लागू होगा विकसित भारत जी राम जी अधिनियम

ग्रामीण परिवारों को अब सालभर में मिलेंगे 125 दिन रोजगार के अवसर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में 01 जुलाई 2026 से विकसित भारत जी राम जी अधिनियम पूरी तरह लागू हो जाएगा। इस अधिनियम के लागू होते ही ग्रामीण परिवारों को अब एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन रोजगार का प्रावधान मिलेगा। इससे ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिलने के साथ गांवों में विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी।

भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका और विकास कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम-2025 अधिसूचित किया गया है। प्रदेश में इसके लागू होने के बाद वर्तमान मनरेगा व्यवस्था स्वतः समाप्त हो जाएगी।

अधिनियम के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के ऐसे वयस्क सदस्य, जो अकुशल कार्य करने के इच्छुक हैं, उन्हें वर्ष में 125 दिन रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। यदि तय समय सीमा में कार्य उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो श्रमिकों को बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान रहेगा।

श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान सीधे उनके बैंक अथवा डाकघर खातों में किया जाएगा। भुगतान में देरी होने पर क्षतिपूर्ति का लाभ भी दिया जाएगा।

एक वित्तीय वर्ष में 60 दिन का रहेगा विराम- बुवाई और कटाई के प्रमुख कृषि मौसम में श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक वित्तीय वर्ष में 60 दिनों की 'विराम अवधि' निर्धारित की गई है।

पारदर्शिता के लिए होगी डिजिटल निगरानी- अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, मोबाइल आधारित निगरानी, वास्तविक समय डैशबोर्ड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली का उपयोग किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

ग्राम पंचायतें तैयार करेंगी कार्ययोजना- ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्यों की योजना तैयार करेंगी। श्रमिकों का पंजीयन, रोजगार गारंटी कार्ड जारी करना तथा सामाजिक अंकेक्षण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी पंचायतों के माध्यम से पूरी की जाएंगी।

जल्द जारी होंगे नियम- प्रदेश में अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जल्द ही विस्तृत नियम जारी किए जाएंगे। शासन स्तर पर इसकी तैयारियां तेज़ी से की जा रही हैं।

यह अधिनियम ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आधारभूत संरचना निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जनगणना-2027- कर्मठ को शाबाशी और लापरवाह को दण्ड

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना की वस्तुस्थिति जानने एवं इस काम में तेजी लाने के लिये कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान मंगलवार को नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के साथ शहर की विभिन्न बस्तियों में पहुँचीं। इस दौरान उन्होंने अपनी मौजूदगी में संबंधित प्रगणकों के माध्यम से विभिन्न घरों में पहुँचकर ऑनलाइन जनगणना की जानकारी भरवाई। साथ ही जनगणना का अच्छा काम कर रहे प्रगणकों को शाबाशी देकर प्रोत्साहित किया व इस महत्वपूर्ण काम के प्रति लापरवाह प्रगणक के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान स्थानीय निवासियों से भी चर्चा की और जनगणना के महत्व को रेखांकित किया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगलवार को न्यू सारिका नगर एवं गोविंदपुरी में चल रहे जनगणना कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सारिका नगर स्थित मकान नं. 20 में पहुँचकर यहां की प्रगणक श्रीमती वैभवी पटवर्धन के माध्यम से घर मालिक श्रीमती रामकटोरी धाकड़ से 34 बिंदुओं की जानकारी पूछकर मकान गणना का काम कराया। प्रगणक श्रीमती वैभवी पटवर्धन को दो दिन पहले ही गणना का काम सौंपा गया है।

अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री यादव ने लिया मुरार तहसील के गेहूं खरीदी केन्द्रों का जायजा

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव ने मंगलवार को मुरार तहसील के अंतर्गत स्थापित विभिन्न गेहूं उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सहकारी समिति बेहटा, बड़ागांव और सिरसौद द्वारा संचालित खरीदी केन्द्रों पर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान श्री यादव ने कहा कि समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूं का उपार्जन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं आनी चाहिए। हर खरीदी केन्द्र पर ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि किसानों के गेहूं की जल्द से जल्द तुलाई हो सके। श्री यादव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक खरीदी केन्द्र पर किसानों के लिए शीतल पेयजल, छाया और ओआरएस की समुचित व्यवस्था रहे। गर्मी के मौसम में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

सुव्यवस्थित ढंग से समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी कराने वरिष्ठ अधिकारी मैदान में

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सुव्यवस्थित ढंग से समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन कराने के लिये जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इस क्रम में मंगलवार को जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने जिले के विभिन्न खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने भितरवार क्षेत्र के अंतर्गत मार्केटिंग भितरवार, गोहिंदा, एलएसएस गोदाम परिसर में संचालित बागबई एवं आंतरी सहित क्षेत्र के अन्य उपार्जन केन्द्रों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान भितरवार एसडीएम श्री राजीव समाधिया व जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री अरविंद भदौरिया भी उनके साथ थे। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद ने डबरा क्षेत्र के उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाः देवास से हरिद्वार-ऋषिकेश की पुण्य यात्रा, 6 जून तक करें आवेदन

जिले को मिला 196 यात्रियों का कोटा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत देवास जिले से हरिद्वार-ऋषिकेश तीर्थ यात्रा 20 जून 2026 को रवाना होगी, जो 23 जून 2026 को वापस लौटेगी। जिले को इस यात्रा के लिए 196 सीटों का कोटा आवंटित किया गया है। यात्रा के लिए ट्रेन देवास रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेगी तथा वापसी भी देवास में ही होगी।

यात्रा में शामिल होने के इच्छुक नागरिकों से 06 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन जिले के सभी तहसील कार्यालयों एवं नगर निगम देवास में जमा किए जा सकते हैं।

यदि निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो पात्र यात्रियों का चयन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है तथा आवेदक आयकरदाता नहीं होना चाहिए। आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक निर्धारित की गई है। महिलाओं को आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट देते हुए 58 वर्ष की पात्रता निर्धारित की गई है। वहीं 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों के लिए आयु सीमा का बंधन लागू नहीं होगा। यात्रा से संबंधित नियम, निर्देश एवं आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इच्छुक नागरिक समय रहते आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कौटिल्य स्कूल एबी रोड के पास संचालित अवैध अहाते पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना एवं पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत के निर्देशानुसार राजस्व विभाग एवं थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई करते हुए कौटिल्य स्कूल एबी रोड शाजापुर के पास स्थित शर्मा रेस्टोरेंट पर दबिश दी गई।

दबिश के दौरान रेस्टोरेंट पर कुछ व्यक्ति टेबल-कुर्सियों पर बैठकर शराब का सेवन करते पाए गए, जो पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। वहीं शराब परोस रहे युवक दयाल मालवीय पिता आत्माराम मालवीय उम्र 23 वर्ष निवासी टुकराना जोड़ बल्ड़ी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा शराब पुराने फ्रीजर में छिपाकर रखना बताया गया। तलाशी लेने पर फ्रीजर से 17 क्वार्टर सीलबंद देशी प्लेन शराब कीमत लगभग 1360 रुपये की बरामद हुई।

आरोपी के पास शराब रखने, बेचने एवं लोगों को बैठाकर शराब पिलाने संबंधी कोई वैध अनुज्ञा पत्र नहीं पाया गया। मौके से 17 क्वार्टर देशी शराब, एक फ्रीजर, टेबल, लोहे की कुर्सियां, बीयर की खाली केन, एक खाली शराब क्वार्टर एवं डिस्पोजल ग्लास जप्त किए गए। संपूर्ण कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई गई। रेस्टोरेंट संचालक श्रीमती सीमा शर्मा मौके पर उपस्थित नहीं होने से, रेस्टोरेंट संचालक से पृथक से पूछताछ की जायेगी।

आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 एवं 36(ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, नायब तहसीलदार श्री गौरव पोरवाल, पटवारी श्री ललित कुम्भकार एवं थाना प्रभारी कोतवाली श्री संतोष वाघेला उपस्थित रहे।

चिकित्सक के साथ मारपीट मामले में फूटा गुस्सा : IMA और नगर की संस्थाओं ने स्ष्ठरूको सौंपा ज्ञापन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा के वरिष्ठ चिकित्सक के साथ हुई अभद्रता और मारपीट की घटना ने अब तूल पकड़ लिया है। इस घटना के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की मनासा शाखा सहित नगर की विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संस्थाओं ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी किरण आंजना को ज्ञापन सौंपा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

क्या है पूरा मामला- ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. महेश मजेजी, जो पिछले 46 वर्षों से चिकित्सा सेवाएं दे रहे हैं, उनके नर्सिंग होम में 10 मई को एक दुखद घटना हुई। सोजावास निवासी मरीज सुल्तान सिंह का उपचार के दौरान निधन हो गया था।

इसके बाद मृतक के परिजनों और अन्य लोगों ने अस्पताल परिसर में हंगामा कर दिया। आरोप है कि आक्रोशित लोग डॉ. मजेजी के चेंबर में घुस गए और उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान अस्पताल स्टाफ के साथ भी अभद्रता की गई। बीच-बचाव करने आए एक अन्य वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुरेश मजेजी के साथ भी मारपीट की गई।

पुलिस की भूमिका पर उठाए सवाल-IMA ने अपने आरोप में कहा है कि घटना के समय मौके पर पुलिस भी पहुँच चुकी थी, इसके बावजूद चिकित्सकों को पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिल सकी। इस घटना से क्षेत्र के सभी चिकित्सकों में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है।

इन संस्थाओं ने दिया समर्थन- डॉ. महेश मजेजी के समर्थन में नगर के विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की है. इस विरोध प्रदर्शन में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ-साथ माहेश्वरी समाज मनासा, अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन, माहेश्वरी महिला मंडल और जैन समाज के प्रतिनिधि सक्रिय रूप से शामिल हुए. इसके अलावा भारत विकास परिषद, पर्यावरण मित्र संस्था, सकल जैन समाज, जैन सोशल ग्रुप, लायंस क्लब, रोटरी क्लब और नारायण सेवा जैसे संगठनों ने भी अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है. राजनीतिक और व्यापारिक स्तर पर जिला कांग्रेस कमेटी, भाजपा संगठन, पंजाबी समाज, व्यापारी संघ और परशुराम सेना सहित अन्य कई संस्थाओं ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग का समर्थन किया है.

प्रमुख मांगें- प्रदर्शनकारी संस्थाओं ने प्रशासन के समक्ष यह स्पष्ट मांग रखी है कि इस पूरी घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ तत्काल और सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए. ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से यह आग्रह किया गया है कि भविष्य में इस प्रकार की अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं. इसके साथ ही क्षेत्र के चिकित्सकों ने अपनी सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से मांग की है कि उन्हें कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि वे बिना किसी भय के अपनी सेवाएं जारी रख सकें।

स्व-बोध से ही बचेगी पत्रकारिता की आत्मा, नारद परंपरा से जुड़ना समय की आवश्यकता : डॉ. परमार

नारद जयंती समारोह में पत्रकारिता की निष्पक्षता, लोकतंत्र, लोककल्याण और भारतीय चिंतन पर व्यापक मंथन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संस्कृति में संवाद, ज्ञान, संचार और लोकमंगल के शाश्वत प्रतीक देवर्षि नारद की जयंती पर मन्दसौर के मीडिया, साहित्य परिवार एवं विश्व संवाद केंद्र द्वारा आयोजित विशेष समारोह में पत्रकारिता के मूल स्वरूप, उसकी चुनौतियों, सामाजिक दायित्व और लोकतंत्र में उसकी भूमिका को लेकर गंभीर चिंतन हुआ। स्व-बोध ⁼ पत्रकारिता का नया मंत्र विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय जम्मू-कश्मीर एवं लक्षद्वीप तथा विद्या भारती मध्य क्षेत्र की पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं देखरेख स्थायी समिति के सदस्य डॉ. बालाराम परमार थे। बतौर मुख्य अतिथि मानस मर्मज्ञ पंडित दशरथ शर्मा भाईजी उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी नरेंद्र मेहता ने की।

मुख्य वक्ता डॉ. बालाराम परमार ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के क्षेत्र में तकनीक, गति और शोर अत्यधिक बढ़ गया है, इतने शोर के बीच सत्य कहीं दबता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी स्थिति का समाधान स्व-बोध है। स्व-बोध अर्थात स्वयं को जानना, अपने उद्देश्य, धर्म, कर्तव्य, मर्यादा और जिम्मेदारी को समझना। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और एआई के इस दौर में स्व-बोध ही पत्रकार को मशीन से अलग पहचान देगा। उन्होंने मंदसौर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन दशपुर अर्थात मंदसौर विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी पशुपतिनाथ मंदिर, सोंधनी शिलालेख, मंदसौर किला और धर्मराजेश्वर मंदिर जैसी धरोहरों के कारण विशेष पहचान रखता है। मंदोदरी की जन्मस्थली के रूप में भी इसका उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसी सांस्कृतिक भूमि के पत्रकारों को नारद परंपरा से जुड़ना ही चाहिए। मुख्य अतिथि पंडित दशरथ शर्मा ने देवर्षि नारद के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि 18 पुराणों में श्राप और वरदान की कथाओं के बीच नारद की उपस्थिति दिखाई देती है। जो ज्ञान प्रदान करे, वही नारद है। उन्होंने कहा कि नारद के अनेक रूप हैं– अबोध नारद, चिंतनशील नारद, क्रोधित नारद और साधक नारद। पत्रकारिता को इन सभी रूपों के माध्यम से समझने की आवश्यकता है। स्वागत उद्बोधन में वरिष्ठ पत्रकार और मन्दसौर जिला प्रेस क्लब के संरक्षक ब्रजेश जोशी ने कहा कि देवर्षि नारद सृष्टि के प्रथम पत्रकार माने जाते हैं तथा नारद पुराण और नारद संहिता आज भी प्रासंगिक ग्रंथ हैं। समारोह में अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल,डॉ. घनश्याम बटवाल,मन्दसौर जिला प्रेस क्लब सरंक्षक संजय पोरवाल, नरेंद्र अग्रवाल, ब्रजेश जोशी, दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष नेमीचंद राठौर, प्रकाश सिसोदिया, लोकेश पालीवाल, संजय वर्मा, मनीष पुरोहित, अजय बाड़ोलिया, शाहिद चौधरी, अभिषेक विद्यार्थी, गोविंद पाटीदार ,विजेंद्र फांफरिया, सचिन जैन, किशोर ग्वाला,सुरेश भावसार, मुकेश आर्य, विपिन गोलू चौहान, उमेश नेक्स,ललित पटेल, देवेंद्र मोर्य एवं ललित शंकर धाकड़ सहित पत्रकार साथियों ने शाल-श्रीफल भेंटकर किया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षाविद रविंद्र कुमार सोहोनी कवि एवं साहित्यकार नंदकिशोर राठौर नरेंद्र भावसार डॉ. देवेंद्र पुराणिक, हिम्मत डांगी,दिलीप कुमार जोशी, नरेंद्र शर्मा,पं. गोपाल पंचारिया, ओमप्रकाश बटवाल, शिवा पिंटू सेनी,संजय राठौर, प्रहलाद शर्मा पिंटू प्रतीक व्यास, अंतिम बक्षी आदि भी उपस्थित थे। अतिथियों का परिचय पत्रकार प्रकाश सिसोदिया ने दिया। संचालन पत्रकार लोकेश पालीवाल ने किया तथा आभार साहित्य परिवार के प्रतिनिधि नरेंद्र त्रिवेदी ने माना।

भगवान भरोसे जीरन अस्पताल! 11 बजे तक नदारद रहे डॉक्टर, तड़पते रहे मरीज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों अपनी चिकित्सा सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि चरमराई व्यवस्थाओं और डॉक्टरों की घोर लापरवाही के लिए सुर्खियों में है। मंगलवार सुबह अस्पताल में मानवता को शर्मसार करने वाला नजारा देखने को मिला, जहाँ सुबह 9 बजे से कतारों में लगे 25 से अधिक मरीज दर्द से कराहते रहे, लेकिन धरती के भगवान का कहीं अता-पता नहीं था।

मरीजों का फूटा गुस्सा, जनप्रतिनिधि पहुंचे मौके पर- सुबह 10ः30 बजे तक जब अस्पताल की ओपीडी खाली पड़ी रही, तो मरीजों का सब्र जवाब दे गया। हंगामे की सूचना मिलते ही पार्षद प्रतिनिधि राजेश लक्षकार और करणी सेना अध्यक्ष विपुल सिंह सोनीगरा तत्काल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मौके से ही बीएमओ डॉ. विजय भारती को फोन लगाकर अस्पताल की बदहाली से अवगत कराया।

लीपापोती का दौरः ÷मेरी ड्यूटी नहीं थी- अधिकारियों की फटकार और जनप्रतिनिधियों के दबाव के बाद अस्पताल में डॉक्टरों की एंट्री शुरू हुई। सुबह 10ः50 बजे डॉ. आयुष और दो ट्रेनी डॉक्टर आनन-फानन में पहुंचे। उसके बाद सुबह 11ः10 बजे चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमलेश माली ने अस्पताल में कदम रखा। हैरानी की बात यह रही कि समय पर न आने का पश्चाताप करने के बजाय डॉक्टर एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टालते नजर आए। डॉ. आयुष ने तर्क दिया कि उनकी ड्यूटी नहीं थी, वहीं चिकित्सा अधिकारी डॉ. माली भी यही राग अलापते दिखे। सवाल यह उठता है कि यदि किसी की ड्यूटी नहीं थी, तो क्या जीरन की जनता को इलाज के अभाव में मरने के लिए छोड़ दिया जाएगा।

5 दिन में सुधारे व्यवस्था वरना आंदोलन की चेतावनी- अस्पताल की इस बदहाली को लेकर पार्षद प्रतिनिधि राजेश लक्षकार और करणी सेना अध्यक्ष विपुल सिंह सोनीगरा ने कड़ा रुख अपनाया है।

इस्कॉन मंदिर के दानदाताओं का भव्य सम्मान

बालाराम बंजारा एवं संजीव अग्रवाल ने लाखों का दान देकर समाज को किया प्रोत्साहित

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म और अध्यात्म की नगरी बदनावर में नवनिर्माणाधीन श्री राधा गोविंद मंदिर (इस्कॉन) केवल एक संरचना मात्र नहीं, बल्कि आने वाले समय में क्षेत्र के कल्याण और शांति का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। इसी संकल्प को गति देने के लिए बदनावर लोक कल्याण समिति द्वारा मंदिर निर्माण में आहुति देने वाले दानदाताओं के सम्मान में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ हरे कृष्ण-हरे राम के मधुर हरि नाम संकीर्तन से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य उज्जैन के बालाराम बंजारा एवं संदीप अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की औपचारिक शुरुआत की। आयोजन में उपस्थित संतों ने अपने वचनों से भक्तों को निहाल किया।

संतों का जीवन केवल परोपकार के लिए होता है। यह मंदिर समाज के नैतिक उत्थान का आधार बनेगा। उक्त कथन इस्कॉन के श्रीपाद वसुश्रेष्ठ प्रभुजी ने कहा। वही श्रीपाद पद्मपानी प्रभुजी ने भक्तों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भगवान की सेवा में लगाया गया धन और समय अनंत गुना होकर लौटता है। डॉ. दुलाल कृष्ण राय ने भावुक अपील करते हुए कहा कि यह मंदिर किसी संस्था का नहीं, बल्कि बदनावर के हर नागरिक का अपना है।

मंदिर निर्माण समिति के कोषाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त बी.ई.ओ. बी.एल. पाटीदार ने तकनीकी और आर्थिक पक्ष रखते हुए बताया कि मंदिर का कुल निर्माण क्षेत्र 10,200 स्क्वायर फीट है। उन्होंने फर्श से अर्श तक की संकल्पना साझा करते हुए बताया कि एक स्क्वायर फीट निर्माण की लागत ?5,100 है। समिति ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी सामर्थ्य अनुसार कम से कम एक वर्ग फीट का सहयोग कर इस ऐतिहासिक कार्य के साक्षी बनें। मंदिर के भविष्य के रोडमैप पर भी चर्चा करते हुए पाटीदार ने बताया कि यहाँ एक ब्रह्मचारी आश्रम बनाया जाएगा। साथ ही, समाज के पीड़ित और दुखी व्यक्तियों की सहायता के लिए एक विशेष समिति और काउंसलिंग टीम का गठन किया जाएगा, जो लोगों को मानसिक और आध्यात्मिक संबल प्रदान करेगी। डॉ. परिमल ने आने वाली पीढ़ियों के संस्कार निर्माण हेतु परिसर में गुरुकुल निर्माण का प्रस्ताव भी रखा।

सम्मान समारोह के दौरान दानदाताओं ने अपनी श्रद्धा प्रकट करते हुए बालाराम बंजारा ने 1,51,000 रुपये की सहयोग राशि की घोषणा की तो वही क्षेत्र के बड़े कॉलोनाइजर संजीव अग्रवाल ने अपनी 23वी वैवाहिक वर्षगांठ पर मंदिर हेतु 23 फीट भूमि दान स्वरूप देने का संकल्प लिया जो 117300 की राशि होती है। पाटीदार समाज के प्रांतीय अध्यक्ष कृष्णकांत पाटीदार ने भी 11,000 रुपये समर्पित किए। इसके अतिरिक्त, उपस्थित अनेक भक्तों ने एक वर्ग फीट योजना के तहत ?5,100 की राशियां प्रदान कीं।

समारोह में बालाराम बंजारा, संजीव अग्रवाल, लालचंद पाटीदार, मनीष शर्मा, डॉ. कमल बोरदिया, डॉ. असित राय, सत्यनारायण पाटीदार, कैलाश पटेल, रमेश चंद्र पाटीदार, मनीष दुबे, देवेंद्र मंडलोई, कृपाराम पाटीदार, बसंतीलाल पाटीदार, मोहनलाल पाटीदार (कड़ोद), दशरथ पाटीदार सहित पत्रकार बंधु आर्यावत पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर के अध्यक्ष मनीष शर्मा, सचिव विनय पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक मोहित सिंह चौहान द्वारा किया गया, जिन्होंने दानदाताओं की गौरवशाली सूची का वाचन किया। अंत में सभी दानदाताओं को प्रतिक चिन्ह, पुष्पमाला, दुपटटा प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती सीमा पांचाल ने उपस्थित सभी अतिथियों और भक्तों का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री के 'त्याग' आव्हान पर उठे सवाल, कथनी-करनी के फर्क पर उठे प्रश्न,पहले नेता करें पालन– डॉ. सम्पत स्वरूप जाजू

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युद्धकाल अथवा राष्ट्रीय संकट की परिस्थितियों में किसी भी देश का प्रधानमंत्री जनता से संयम, त्याग और सहयोग की अपील करता है। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले बारह वर्षों में विभिन्न अवसरों पर देशवासियों से त्याग और अनुशासन का आव्हान किया जाता रहा है।

नोटबंदी, कोरोना काल, आत्मनिर्भर भारत अभियान, बुलेट ट्रेन परियोजना, सस्ती हवाई यात्रा योजनाएं और हर घर नल-जल जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के दौरान सरकार ने बड़े-बड़े वादे किए। लेकिन इन योजनाओं के धरातलीय क्रियान्वयन को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। आम जनता का एक वर्ग मानता है कि अपेक्षित परिणाम अभी भी पूरी तरह दिखाई नहीं दे रहे।

लेख में यह भी सवाल उठाया गया है कि दान की शुरुआत अपने घर से होती है वाली कहावत के अनुसार क्या सरकार, मंत्री, जनप्रतिनिधि और समर्थक स्वयं उन आव्हानों का पालन करते नजर आते हैं, जिनका संदेश जनता को दिया जाता है?

डॉ. जाजू का कहना है कि यदि सरकार पेट्रोल बचाने और संसाधनों के सीमित उपयोग की बात करती है, तो सबसे पहले नेताओं, मंत्रियों और प्रशासनिक अधिकारियों को सार्वजनिक परिवहन, मेट्रो और सीमित वाहन उपयोग अपनाकर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उनका तर्क है कि शीर्ष नेतृत्व का आचरण ही आम जनता को प्रेरित करता है।

गैस सब्सिडी छोड़ने के पुराने आव्हान का जिक्र करते हुए लेख में दावा किया गया है कि बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वयं सब्सिडी नहीं छोड़ी।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का उदाहरण देते हुए कहा गया कि जब उन्होंने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी, तब उन्होंने स्वयं और उनके सहयोगियों ने पहले उसका पालन किया। इसी कारण जनता ने भी व्यापक रूप से उनका अनुसरण किया।

लेख में यह प्रश्न भी उठाया गया कि एक ओर सरकार भारत को विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताती है, वहीं दूसरी ओर आम लोगों से खाने के तेल, पेट्रोल, यात्रा और सोना खरीदने में कटौती की अपील की जाती है।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री के आव्हान के संदर्भ में हुई चर्चाओं का हवाला देते हुए लेख में कहा गया कि राष्ट्र प्रथम की भावना तभी प्रभावी होगी, जब त्याग और अनुशासन का पालन शीर्ष नेतृत्व से लेकर आम कार्यकर्ता तक समान रूप से किया जाए।

आगामी सिंहस्थ पर्व की तैयारियों को लेकर शिकारपुरा थाना प्रभारी ने वॉलेंटियर्स की ली बैठक

थाना प्रभारी द्वारा उपस्थित वॉलेंटियर्स को भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था,श्रद्धालुओं की सहायता एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अति. पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश के निर्देशन में एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटील के मार्गदर्शन में दिनांक 12.05.2026 को थाना प्रभारी शिकारपुरा श्री संदीप चौरसिया एवं स्टाफ द्वारा गुर्जर भवन में उपस्थित वॉलेंटियर्स को आगामी सिंहस्थ पर्व के दौरान पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था श्रद्धालुओं की सहायता एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में क्षेत्र में हो रही गतिविधियों, सुरक्षा व्यवस्था एवं सामाजिक समन्वय को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

उपस्थित वॉलेंटियर्स को सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए आमजन को जागरूक करने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया। बैठक में थाना प्रभारी शिकारपुरा श्री संदीप चौरसिया थाना स्टाफ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, वॉलेंटियर्स, नगर सुरक्षा समिति के सदस्य तथा पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

मोदीजी की अपील पे भारी सोनीजी को भरोसे

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आजकल देश में सादगी की ऐसी बयार चली है कि परधान सेवक की एक अपील ने हम मालवी मनखां की दुखती रग पे हाथ धरी दियो है। मोदी जी ने बड़े प्रेम से कह्यो है– सोना मत खरीदो। अब साहब, बदनावर में तो पेले से ही सोने के मामले में बड़ा अनुशासन है। हमारे यहाँ सोना आभूषण कम और रात की नींद ज़्यादा है, वो भी तब नसीब होवे जब रात में खेत पे रोजड़ा नी घुसे।

मजे की बात तो देखो, एक तरफ दिल्ली से अपील आ रही है कि सोना मत खरीदो और दूसरी तरफ आज बदनावर में एक नई ज्वेलर्स की दुकान को उद्घाटन है! अब प्रधानमंत्री जी कह रिया है कि सोना मत खरीदो, पर मोदी जी को शायद यो नी मालूम कि जब बात सोनी जी के व्यवहार और उन पर अटूट विश्वास की होवे, तो बदनावर की जनता दिल्ली की अपील भूल जावे है।

सोनी जी को व्यवहार ही ऐसो है कि मनख नी चाहते हुए भी दुकान तक खिंचो चलो आवे। अब कल देख जो, एक तरफ अपील धरी रह जाएगी और दूसरी तरफ सोनी जी पे भरोसे की वजह से लोग जम के खरीदारी करेगा। आखिर विश्वास भी तो कोई चीज होवे! अब दुकानदार भाई साहब रिबन काटेगा और ग्राहक राष्ट्रहित को बाजू में रख के घरहित में सोना खरीदेगा, क्योंकि सोनी जी का रिश्ता ही कुछ ऐसो है। लुगाई को समझाना भी अब मुश्किल होगा, वो तो यही कहेगी– अपील अपनी जगह, पर सोनी जी की दुकान अपनी जगह!

दूसरो सुझाव आयो है– यात्रा मत करो। यो सुणी के उन घुमक्कड़ों की जान में जान आई है जो साल भर से सावरिया जी जाने को प्लान बना रिया था पर गेहूं के भाव देख के रुक गया। अब जब कोई पूछेगा कि भाईसाब, ईण गर्मी में कहीं घूमने नी गया? तो सीना ताणी के कह सकांगा– राष्ट्रहित में यात्रा टाली दी है। वैसे भी, बदनावर की सड़कों पे जो स्पीडब्रेकेर हैं, उनमें घूमना किसी एडवेंचर ट्रिप से कम नी है।

रही बात वर्क फ्रॉम होम की, तो यो मालवा के किसान और बदनावर के पत्रकारों के लिए सबसे बड़ो सभ्य मजाक है। अब परधान मंत्री जी को कुण समझावे कि पत्रकार को वर्क फ्रॉम होम कैसे होवे? क्या घर की खिड़की से देख के ही खबर बना लेवा? पत्रकार को तो घर से बाहर निकलना ही पड़ेगा, चाहे धूप हो या बारिश, वरना खबर की जगह अफवाह पकेगी। और किसान? क्या वो लैपटॉप पे खेती करेगा? अगर किसान घर बैठ गयो तो देश को डाटा नी, रोटी की कमी पड़ जाएगी।

बदनावर को पत्रकार तो बेचारा पेले ही वर्क फ्रॉम फील्ड कर रयो है, ऊपर से विज्ञापन के नाम पे अपील मिल जावे है। कुल मिला के, आम आदमी और पत्रकार के पास नी तो सोना खरीदने को पीसो है, और नी ही यात्रा करने को टेम। हम तो बस यो ही सोच रिया हां कि अगली अपील यो नी आ जाए कि– पसीना कम बहाओ, ताकि देश में नमी बनी रहे!

खैर, जब तक अपील मुफ़्त है, हम बदनावर वाले जय श्री कृष्णा कह के उसे झेल ही लेंगे और कल सोनी जी की दुकान पे भीड़ लगा के अपील की हवा भी निकाल देंगे!

शहर वृत्त ग्वालियर में बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिये लगेंगे 22 शिविर

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं व शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 14 मई से संपर्क अभियान-2026 शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 14 मई को शहर वृत्त ग्वालियर में 22 स्थानों पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। महाप्रबंधक शहर वृत्त ग्वालियर श्री संदीप कालरा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उपभोक्ता संतुष्टि बढ़ाना है। महाप्रबंधक श्री कालरा ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे शिविरों में पहुंचकर अपनी शिकायतों का निराकरण कराएं और कंपनी की योजनाओं का लाभ उठाएं। अभियान से संबंधित जानकारी के लिए उपभोक्ता नजदीकी बिजली वितरण केंद्र, जोन कार्यालय अथवा कॉल सेंटर के टोल फ्री नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं। शिविरों में त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग और अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही मात्र 5 रुपये में नए ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन दिए जाएंगे।शिविरों में भार वृद्धि, नाम परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन, स्थायी कनेक्शन विच्छेदन, अस्थायी कनेक्शन, ई-केवायसी, एनओसी, खराब मीटर बदलना, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों का निराकरण, सर्विस केबल सुधार, वोल्टेज एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

सब्जी मंडी के बिजली कांड पर भड़के विधायक शेखावत

शेखावत बोले– भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत ने विधानसभा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं और भ्रष्टाचार के मामलों पर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। हाल ही में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठकों के दौरान विधायक का सबसे सख्त तेवर कृषि उपज मंडी की कार्यप्रणाली पर देखने को मिला। विशेष रूप से दो दिन पूर्व स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित बदनावर सब्जी मंडी बिजली कांड की खबर ने विधायक का ध्यान अपनी ओर खींचा, जिसे उन्होंने अत्यंत गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों से जवाब-तलब किया।

सब्जी मंडी में बिजली व्यवस्था को लेकर हुए कथित घालमेल और अव्यवस्थाओं की खबर जैसे ही अखबारों में सुर्खियां बनी, विधायक शेखावत ने इसे बैठक के एजेंडे में प्रमुखता से रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाचार पत्रों के माध्यम से सामने आने वाली जनसमस्याएं प्रशासन के लिए चेतावनी हैं। विधायक ने नवागत मंडी सचिव रियाज मोहम्मद को निर्देश दिए कि सब्जी मंडी की विद्युत व्यवस्था और वहां व्याप्त अन्य विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाए। कृषि उपज मंडी की बैठक में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के कई और गंभीर मामले भी सामने आए। जिसमे मंडी में 1.50 करोड़ रुपये के फर्जी विद्युत बिल भुगतान का मामला सामने आने पर विधायक भड़क गए और इस पर कड़ी जांच के निर्देश दिए। वही व्यापारियों ने मंडी में चोरी की घटनाओं और भुगतान के समय असुरक्षा का मुद्दा उठाया। विधायक ने नवीन तोल काँटा 10 मेट्रिक टन स्थापित करने और आपातकालीन बिजली के लिए नया जनरेटर खरीदने के सुझाव को तत्काल मंजूरी दी। मंडी प्रांगण में फैली गंदगी को लेकर विधायक सहित ग्रेनमर्चेंट अध्यक्ष संजय सोनी और सब्जी मंडी अध्यक्ष जीवन पटेल ने कड़ी नाराजगी जताई। विधायक ने कहा कि सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

विधायक ने विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री विनीत ठाकुर से ट्रांसफार्मर आयल चोरी और नए ग्रिड स्थापना की प्रगति रिपोर्ट ली। वहीं नगर परिषद की बैठक में अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव और सीएमओ लालसिंह राठौर के साथ पेयजल सप्लाई, बलवंती नदी के जीर्णोद्धार और वर्षाकाल पूर्व नालियों की सफाई पर विस्तृत चर्चा की। नगर परिषद ने शहर के विकास हेतु विधायक के समक्ष 90 लाख रुपये की राशि का प्रस्ताव भी रखा।

बैठक में विधायक प्रतिनिधि अंशुल बोकडिया, ब्लॉक अध्यक्ष निरंजन सिंह पंवार, मुकेश होती, कैलाश गुप्ता, आशीष चोपड़ा, दीपक रुनवाल, हम्माल तुलावटी संघ अध्यक्ष राधेश्याम हारोड़ सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। हम्माल तुलावटी संघ ने अपनी मजदूरी बढ़ाने की मांग भी विधायक के समक्ष रखी, जिस पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया गया।

भीषण गर्मी में गौमाता को राहत प्रदान करने हेतु गोशाला में फव्वारा सिस्टम भेंट किया गया

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी को देखते हुए समाजसेवी बिसानी परिवार द्वारा गौमाता को राहत प्रदान करने हेतु एक अनूठी पहल करते हुए स्व. सचिन बिसानी की स्मृति में फव्वारा सिस्टम गोपाल गौशाला को भेंट किया गया। गोपाल गौशाला में सेवा देने वाले एवं माहेश्वरी समाज के प्रकाश मालपानी ने जानकारी देते हुए बताया गया कि मंगलवार को सुबह 9 बजे पाडल्या रोड स्थित श्री गोपाल गौशाला में माहेश्वरी समाज के महेंद्र शोभा जी बिसानी, अजय बिसानी परिवार द्वारा स्व. सचिन बिसानी की स्मृति में भीषण गर्मी में गायों को ठंडक पहुंचाने हेतु फव्वारा सिस्टम भेंट किया गया । इस मौके पर उपस्थितजनों को छाछ का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के गोविंद लाल मोहता, जगदीश चन्द्र भुतडा, गोपाल मोहता, देवकरण डांगरा, नाथूलाल बांगड़, झमक राठी, आनंदीलाल गगरानी, प्रभुशंकर मालपानी, गोपाल गट्टानी मालपानी, घनश्याम राठी, बंसीलाल गट्टानी, प्रकाश मालपानी, प्रतीक गगरानी, श्रीमती शोभा बिसानी, सुषमा बिसानी, अशोक बिसानी एवं गोशाला में नित्य सेवा देने वाले चैन सिंह रघुवंशी, कमलेश शर्मा, लोकुमल खत्री, राजू राव, रमेश सोनी, एल.एन.भावसार, बादाम सिंह परिहार, रजनीश जैन, विरु बैरागी आदि गौसेवक मौजूद थे ।

सलसलाई पुलिस की बड़ी कामयाबी: सूने मकानों में सेंध लगाने वाली पारदी गैंग के 4 सदस्य गिरफ्तार, 27 लाख के जेवर बरामद

जिले में अब तक कि सबसे बड़ी चोरी का खुलासा किया सलसलाई पलिस ने

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय शातिर पारदी गैंग का भंडाफोड़ करते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए 27 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और वारदात में इस्तेमाल की गई 2 मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के कुशल निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई।

मामले का खुलासा करते हुए एसडीओपी नागेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 13 अप्रैल को ग्राम मंगलाज निवासी रामदयाल पाटीदार अपने परिवार के साथ सुबह 11:30 बजे खेत पर काम करने गए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे जब वे वापस लौटे, तो घर का ताला टूटा हुआ मिला। बदमाशों ने घर के अंदर अलमारी से सोने-चांदी के कीमती आभूषण और 20,000 रुपये नगद पार कर दिए थे। पीड़ित की शिकायत पर थाना सलसलाई में मामला दर्ज किया गया था। थाना प्रभारी निरीक्षक जनक सिंह रावत के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने लगभग एक माह तक कड़ी मेहनत की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। अंततः पुलिस को सटीक सूचना मिली कि ग्राम मंगलाज में चोरी करने वाली पारदी गैंग के सदस्य क्षेत्र में सक्रिय हैं, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर गिरोह के 4 सदस्यों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी में साजन पिता लखन सुमीना पति प्रतिराज उर्फ प्रीतीराज पारदी मनोहर सिंह पिता अनुराज उर्फ अन्नराज पारदी संजा उर्फ संध्या बाई पति मनोहर सिंहसभी आरोपी ग्राम मुंदीखेड़ी, जिला सीहोर के निवासी हैं

इस बड़ी वारदात का खुलासा करने में निरीक्षक जनक सिंह रावत, उप निरीक्षक रतन लाल चौहान, सहायक उप निरीक्षक विजय सिंह थाना मोहन बड़ोदिया प्रधान आरक्षक दिनेश नायक, महिला प्रधान आरक्षक ललीता जादम, आरक्षक अरविंद जाटव, नितेश सेन, कुलदीप सिंह भिलाला, महिला आरक्षक ध्रुपछाया प्रजापति, मोनिका शिवहरे और आरक्षक चालक सुभाष दांगी की विशेष भूमिका रही।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना : ग्वालियर में 540 युवाओं की हुई फिजीकल स्क्रीनिंग

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 के तहत ग्वालियर में अन्य पिछड़े वर्ग के युवाओं की फिजीकल स्क्रीनिंग की गई। शारदा बिहार सिटी सेंटर स्थित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र में यह प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें पिछड़ा वर्ग के 421 बालकों और 119 बालिकाओं सहित कुल 540 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।मध्य प्रदेश सरकार के अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने यह योजना शुरू की है। योजना का उद्देश्य सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना है। सहायक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्रीमती कृति दीक्षित ने बताया कि पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग विभिन्न विभागों के सहयोग से हुई। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग, खेल-कूद विभाग, पुलिस और जिला सैनिक कल्याण विभाग शामिल रहे। उन्होंने बताया कि स्क्रीनिंग में चयनित युवाओं को 45 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुरुष और महिला दोनों अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण आई.पी.एस. ग्रुप ऑफ कॉलेज, वेला की बावड़ी, ग्वालियर में होगा।

आजीविका मिशन से बदली जमुनियाखुर्द की महिलाओं की तकदीर, बनीं लखपति दीदी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के नीमच जिले से करीब 12 किमी दूर नीमच विकासखण्ड का गांव जमुनियाखुर्द आजीविका मिशन की पहल से महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन रहा है। गांव की महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम होकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं।

ग्राम की पृष्ठभूमि एवं समूह गठन- ग्राम पंचायत जमुनियाखुर्द में पहले स्वयं सहायता समूह नहीं थे। 2019 में सबसे पहले महिलाओं को घर से बाहर निकालकर समूह में संगठित किया गया। आज उसी का परिणाम है कि ग्राम पंचायत में 14 महिला स्वयं सहायता समूह गठित हो चुके हैं।

स्वरोजगार से बनीं लखपति दीदी- समूह से जुड़ी श्रीमती मीना खारोल सीआरपी-कृषि सखी एवं लखपति सीआरपी का कार्य कर रही हैं। एनआरएलएम की योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ दिया-बत्ती निर्माण एवं 'किराना एक बगिया माँ' के नाम से गतिविधि भी संचालित कर रही हैं। इनसे उनकी व्यक्तिगत आय प्रतिदिन 800, प्रतिमाह 24,000 एवं प्रतिवर्ष 2,88,000 हो गई है।

समूह में जुड़ी उनकी देवरानी एवं सास, भी कृषि एवं पशुपालन गतिविधि से लगभग 80,000 प्रतिवर्ष कमा रही हैं। समूह से जुड़ने से पहले ये महिलाएं गृह कार्य एवं मजदूरी करती थीं और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। समूह से जुड़ने के बाद गतिविधियों से जुड़कर वर्तमान स्थिति अच्छी हो गई है, सामाजिक छवि में सुधार हुआ है एवं ये 'लखपति दीदी' बन गई हैं। समूह से जुड़ने के बाद पक्का मकान बनाया, ट्रैक्टर एवं बाइक खरीदी तथा बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं।

प्रेरणा बनीं मीना खारोल-ग्राम में कुछ महिलाएं ग्रेजुएट एवं पोस्ट ग्रेजुएट तक पढ़ी-लिखी हैं, परंतु सामाजिक परम्पराओं के कारण घर से बाहर नहीं जाती थीं। श्रीमती मीना खारोल द्वारा ग्राम में विभिन्न आजीविका गतिविधियां प्रारंभ करने से दूसरी महिलाएं भी स्वरोजगार की ओर प्रेरित हो रही हैं, जिससे उनके परिवारजनों को भी रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

आय अर्जन को मिला बढ़ावा- मीना खारोल के स्व-सहायता समूह के सदस्यों ने रिवॉल्विंग फंड से प्राप्त 10,000 एवं स्वयं की बचत का उपयोग खेती, पशुपालन एवं अन्य आय अर्जन गतिविधियों में किया जा रहा है।

म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रयासों से महिला स्वयं सहायता समूह के गठन, सशक्तिकरण एवं बैंक तथा मिशन से प्राप्त धनराशि की उपलब्धता से समूह सदस्यों एवं परिवारजनों हेतु रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। वहीं ग्राम विकास हेतु शासन एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रयास तेज हो रहे हैं। अब ग्राम में विकास की बयार बह रही है और पंचायती राज संस्थाओं को भी मजबूती मिल रही है।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी सहायिका चयन प्रकरण में आवेदिका को नियुक्ति आदेश दिये जाने के निर्देश दिए

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं। जनसुनवाई में नागरिकों ने राजस्व, महिला एवं बाल विकास, विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सहायता सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई के दौरान कुल 61 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन की तथ्यात्मक जांच कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

आंगनवाड़ी सहायिका चयन प्रकरण में आवेदिका को मिला आश्वासन- जनसुनवाई में महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रकरण सामने आया, जिसमें आवेदिका श्रीमती वर्षा पति विकास अमलियार द्वारा आंगनवाड़ी सहायिका पद पर चयन होने के बावजूद आदेश जारी नहीं किए जाने की शिकायत प्रस्तुत की गई।

आवेदिका ने बताया कि उन्होंने परियोजना रामा अंतर्गत ग्राम खेड़ा के आंगनवाड़ी केन्द्र नाहरखोदरा हेतु आवेदन किया था। उन्हें प्रथम चयनित घोषित किया गया था। इसके पश्चात द्वितीय चयनित अभ्यर्थी द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की गई थी, जिसकी जांच जिला स्तरीय समिति द्वारा की गई। समिति ने दिनांक 11 मार्च 2026 को जारी अंतिम सूची में आपत्ति को अमान्य मानते हुए श्रीमती वर्षा अमलियार को अंतिम रूप से चयनित घोषित किया।

आवेदिका ने बताया कि कई बार कार्यालय बुलाए जाने के बावजूद अब तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया। इस संबंध में उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर न्याय दिलाने की मांग की। कलेक्टर डॉ. भरसट ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए तथा आवेदिका को आश्वस्त किया कि नियमानुसार उचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। आवेदिका श्रीमती वर्षा अमलियार ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत- जनसुनवाई के दौरान संवेदनशीलता एवं त्वरित प्रशासनिक पहल का उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब ग्राम बनी तहसील पेटलावद निवासी आवेदक श्री बगदीराम द्वारा अपनी बहू श्रीमती संगीता पाटीदार पति श्री सुरेश पाटीदार के उपचार हेतु आर्थिक सहायता की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आवेदक ने बताया कि श्रीमती संगीता पाटीदार गंभीर दुर्घटना में घायल होने के बाद बड़ोदरा (गुजरात) स्थित अस्पताल में पिछले लगभग पंद्रह दिनों से उपचाररत हैं। उपचार में अत्यधिक खर्च होने के कारण परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है तथा कर्ज लेकर इलाज करवाना पड़ रहा है। आवेदक द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना अंतर्गत आर्थिक सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आवेदक को बताया कि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद अंतर्गत 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता शासन स्तर से स्वीकृत की गई। कलेक्टर ने त्वरित रूप से राशि के अंतरण को पूर्ण करने के निर्देश दिए और आवेदक को बताया गया कि आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होते ही सहायता राशि सीधे अस्पताल के खाते में अंतरित की जाएगी।

सोना-चांदी गिरवी रखने के विवाद में जांच के निर्देश- मेघनगर निवासी आवेदक श्री रमेश पिता बाबू मारू ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वर्ष 2013 में उन्होंने लगभग 35 ग्राम सोना एवं 400 ग्राम चांदी गिरवी रखकर राशि प्राप्त की थी। आवेदक के अनुसार विपक्षी द्वारा राशि लौटाने के बाद भी हिसाब स्पष्ट नहीं किया जा रहा है तथा चेक बाउंस प्रकरण में फंसाने एवं जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम मेघनगर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल एवं विद्युत समस्याओं के आवेदन प्राप्त- जनसुनवाई में ग्रामीण क्षेत्रों से पेयजल एवं विद्युत संबंधी समस्याओं को लेकर भी कई आवेदन प्रस्तुत किए गए। आवेदक श्री कानू पिता दितीया पारगी निवासी वडलीपाडा तहसील झाबुआ ने माल फलिया क्षेत्र में कम वोल्टेज की समस्या के कारण किसानों की मोटर जलने एवं आर्थिक नुकसान होने की जानकारी देते हुए नवीन विद्युत डीपी लगाए जाने की मांग की।

इसी प्रकार ग्राम खजुरखो फलिया छोटी भैंसा कराई तहसील रामा निवासी श्री मानसिंह अमलियार ने गांव में पेयजल संकट को देखते हुए नवीन हैंडपंप खनन करवाने का आवेदन प्रस्तुत किया।

ग्राम पंचायत पिलियाखांदन के माला सिंगाड फलिया निवासी श्री पप्पु पिता सकरिया सिंगाड एवं अन्य ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 100 से 130 की आबादी वाले क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है तथा नल-जल योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने नवीन हैंडपंप खनन की मांग की।

कलेक्टर ने भूमि आवंटन के प्रकरणों की समीक्षा की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिले में विभिन्न विकासात्मक कार्यों हेतु विभागों द्वारा प्रस्तुत भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर भूमि आवंटन की प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें, जिससे विभिन्न विकास परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन से पूर्व संबंधित भूमि के स्वामित्व, शीर्षक, अतिक्रमण एवं विवाद की स्थिति का गंभीरता से परीक्षण किया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात संबंधित विभाग शीघ्र कार्य प्रारंभ करें, ताकि परियोजनाएं समय-सीमा में पूर्ण हो सकें तथा भूमि पर अनावश्यक अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावास एवं आश्रम निर्माण से संबंधित 10 प्रकरणों, महिला एवं बाल विकास विभाग के 2 प्रकरणों, नगर पालिका झाबुआ के 5 प्रकरणों, थांदला के 1 प्रकरण तथा एनवीडीए अंतर्गत नर्मदा-झाबुआ लाइन से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। साथ ही कलेक्टर ने जिले में खेल सुविधाओं के विस्तार हेतु सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को खेल विभाग से समन्वय स्थापित कर खेल मैदान एवं स्टेडियम निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि आवंटित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देशन में जिले में गेहूँ उपार्जन कार्य सुचारू रूप से जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन कार्य शासन के निर्देशानुसार सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। जिले में कुल 18 गेहूँ उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से किसानों से गेहूँ खरीदी की जा रही है। जानकारी देते हुए जिला आपूर्ति अधिकारी श्री संजय पाटील ने बताया कि उपार्जन कार्य के अंतर्गत अब तक कुल 7,166 किसानों का पंजीयन किया गया है। इनमें से 4,537 किसानों द्वारा अपनी फसल का विक्रय किया जा चुका है। जिले में अब तक कुल 23,727.4 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों को भुगतान हेतु कुल 62 करोड़ 28 लाख 45 हजार 507 रुपये की राशि देय है। इनमें से ई-उपार्जन प्रणाली के माध्यम से 41 करोड़ 12 लाख 22 हजार 831 रुपये के भुगतान की प्रक्रिया की गई है। उपार्जन व्यवस्था के अंतर्गत अब तक कुल 5,750 किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जबकि 3,770 किसानों को भुगतान किया जा चुका है। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा उपार्जन केन्द्रों पर किसानों की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा भुगतान प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

नगर परिषद पलसूद ने जनगणना कार्य में जिले में प्राप्त किया प्रथम स्थान

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य में नगर परिषद पलसूद द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए जिले में सर्वप्रथम अपने संपूर्ण चार्ज का कार्य पूर्ण किया गया। नगर परिषद पलसूद द्वारा दिनांक 11 मई 2026 को दोपहर 1 बजे सभी 20 एचएलबी का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया। नगर परिषद पलसूद में कुल 20 एचएलबी, 20 प्रगणक एवं 04 सुपरवाइजर नियुक्त थे। जनगणना टीम द्वारा कार्य को उच्च गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से संपादित किया गया। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती जयति सिंह द्वारा नगर परिषद पलसूद की जनगणना टीम को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री यशवंत सोलंकी, फील्ड ट्रेनर एवं सुपरवाइजर श्री विनोद अमझेरे, फील्ड ट्रेनर एवं कंट्रोल रूम प्रभारी श्री श्रवण चौहान, सुपरवाइजर श्री राजेंद्र बघेल, श्री सुरेशचंद्र राठौर एवं श्री चेतन गुप्ता, प्रगणक श्री पवन राठौड़, जनगणना शाखा प्रभारी श्री दयाशंकर अमझेरे, सहायक श्री अफजल हुसैन सहित समस्त प्रगणक एवं नगर परिषद स्टाफ उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा नगर परिषद पलसूद की जनगणना टीम को उत्कृष्ट कार्य हेतु बधाई देते हुए अन्य चार्जों से भी इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्य करने की अपेक्षा की गई है।

कलेक्टर द्वारा वन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त बैठक में एमपीएफआरए पोर्टल पर लंबित दावों की समीक्षा की गई

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागृह में वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। इस बैठक में एमपीएफआरए पोर्टल पर दर्ज लंबित, मान्य एवं अमान्य किए गए दावों की सघन समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला स्तरीय समिति, उप खंड स्तरीय समिति और ग्राम वन अधिकार समिति द्वारा पुनः परीक्षण के उपरांत निराकृत किए गए प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देशित किया कि अनुविभागीय स्तर पर यह सुनिश्चित किया जाए कि यदि कोई दावा अमान्य किया जाता है, तो उसका स्पष्ट कारण आवेदक को अनिवार्य रूप से सूचित किया जाए, ताकि प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनी रहे। कलेक्टर ने डिजिटल डेटा के साथ-साथ भौतिक रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश दिए। दस्तावेजों की पूर्णता पर बात करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि फाइल में विज्ञप्ति, दावा-आपत्ति, ग्राम पंचायत का प्रस्ताव और स्थल के फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से संलग्न हों। विशेष रूप से हस्तलिखित प्रारूप 11 संलग्न होना चाहिए। वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रावधानों के किसी भी पात्र व्यक्ति का हक न छूटे। उन्होंने सभी समितियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित दावों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर की संवेदनशील पहल से समीर डामोर को मिला आवागमन का नया सहारा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई एक बार फिर जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद लेकर आई। जनसुनवाई में ग्राम खरडु बड़ी तहसील रामा निवासी 90 प्रतिशत दिव्यांग श्री समीर पिता मानसिंह डामोर ने आवेदन प्रस्तुत कर दैनिक आवागमन में हो रही परेशानियों से अवगत कराया।

हितग्राही ने बताया कि शारीरिक दिव्यांगता के कारण उन्हें अपने दैनिक कार्यों, उपचार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने शासन से सहायता प्रदान किए जाने की मांग की।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने प्रकरण को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश उपरांत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए श्री समीर डामोर को बैटरी संचालित इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई।

इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल प्राप्त करते ही हितग्राही के चेहरे पर खुशी झलक उठी। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी तथा वे अपने दैनिक कार्य अधिक सहजता एवं आत्मविश्वास के साथ कर सकेंगे।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने लायंस क्लब के 'भोजन सेवा केंद्र' के भवन का भूमि पूजन किया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मंगलवार को लायंस क्लब के जिला अस्पताल परिसर में निर्मित होने वाले ÷भोजन सेवा केंद्र÷ के भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, विधायक श्री नारायण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेडे, खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन और जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने इस अवसर पर कहा कि गरीबों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं है। लायंस क्लब देश विदेश में समाज सेवा के क्षेत्र में जाना जाता है। पूरे विश्व में लायंस क्लब के कार्यकर्ता समाज सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खंडवा जिला अस्पताल परिसर में लायंस क्लब द्वारा गरीब मरीजों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाना, एक अत्यंत सराहनीय कार्य है।

सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल ने अवसर पर सभी को नर्सिंग दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मरीजों की जितनी सेवा अस्पताल में नर्स करती है, उतनी सेवा उनके परिवारजन भी नहीं कर पाते। उन्होंने समर्पण भाव से समाज सेवा के कार्य करने के लिए लायंस क्लब के पदाधिकारियो की सराहना की।

सामुदायिक सहभागिता से ही संभव है विकास - कलेक्टर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वानी जिले के ग्राम अंबापानी में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा रात्रि चौपाल का सफल आयोजन किया गया। स्थानीय सामुदायिक भवन में आयोजित इस चौपाल में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर जैविक एवं प्राकृतिक खेती, पशुपालन और आधुनिक कृषि के जरिए आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया। कलेक्टर ने किसानों से आग्रह किया कि वे अपनी कृषि भूमि के कम से कम एक हिस्से में जैविक / प्राकृतिक खेती से शुरुआत करें। उन्होंने इसके आर्थिक लाभ, शासकीय सब्सिडी, पंजीयन प्रक्रिया और प्रमाणीकरण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। चौपाल में पूर्व से जैविक खेती कर रहे प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा किए। कृषि विभाग द्वारा वीडियो प्रदर्शन के माध्यम से कीट प्रबंधन और जैविक खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि की विस्तृत जानकारी दी। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने सामुदायिक एकता पर बल देते हुए कहा कि सामुदायिक सहभागिता से ही विकास संभव है। जब तक आप सब मिलकर अपनी पंचायत या ग्राम को विकसित करने का दृढ़ निश्चय नहीं करते तब तक विकास संभव नहीं है। आप सब एक कड़ी के रूप में जुड़कर आगे बढ़ें, जिला प्रशासन आपको हर संभव सहायता प्रदान करने हेतु सदैव तत्पर हैं। क्षमता विकास ही गाँव की बेहतरी का आधार हैं। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों और पशुपालन से जोड़ना है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो सके और किसान आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री रवि वर्मा, उपसंचालक कृषि विभाग श्री केसी वास्केल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में राहत का सहारा बने प्याऊ, पशु-पक्षियों के लिए भी विशेष इंतज़ाम

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में विदिशा जिले के नगरीय निकायों की सराहनीय पहल

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले में भीषण गर्मी के बीच आमजन एवं पशु-पक्षियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नगरीय निकायों द्वारा व्यापक स्तर पर पेयजल व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की विशेष पहल का क्रियान्वयन जिले की सभी नगरीय निकायों ने मानवता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जनसहयोग के साथ मिलकर विभिन्न स्थानों पर प्याऊ स्थापित किए गए हैं। वर्तमान तक जिले की समस्त नगरीय निकायों द्वारा आमजन की सुविधा के लिए 82 प्याऊ स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें नगर निकायों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। आवश्यकता के अनुसार आगे भी संयुक्त प्रयासों से नए प्याऊ स्थापित किए जा रहे हैं ताकि लोगों को गर्मी के दौरान शीतल पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। इन प्याऊओं में कहीं मटकों एवं पानी की टंकियों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, तो कई स्थानों पर आधुनिक वॉटर कूलर भी लगाए गए हैं। बाजारों, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थलों एवं अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में इन व्यवस्थाओं से राहगीरों एवं आमजन को बड़ी राहत मिल रही है। विशेष पहल के अंतर्गत केवल लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी गर्मी से राहत के इंतज़ाम किए गए हैं। नगरीय निकायों द्वारा मवेशियों के लिए विभिन्न स्थानों पर पानी के हौद बनाए गए हैं, ताकि उन्हें पर्याप्त पानी मिल सके। वहीं पक्षियों के लिए पेड़ों पर पानी से भरे सकोरे टांगे जा रहे हैं, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। इसके अतिरिक्त निकायों द्वारा आवारा कुत्तों के भोजन हेतु भी स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं, जहां नियमित रूप से भोजन एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिले में मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी यह पहल नागरिकों के बीच सराहना का विषय बनी हुई है।

ग्रीष्म ऋतु में ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दें

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा खण्डवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मौसम में ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि हैण्डपंप और ट्यूबवेल जैसे पेयजल स्त्रोतों में खराबी की सूचना मिलते ही उसे तत्काल सुधरवाया जाए, ताकि ग्रामीणों को समस्या न हो।

बैठक में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, विधायक श्री नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, खण्डवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान और जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

शासकीय वाहनों में ईंधन बचाने के लिए विशेष अभियान शुरू करें- प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने कलेक्टर श्री गुप्ता को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान के अनुसार शासकीय वाहनों में ईंधन बचाने के लिए विशेष अभियान शुरू करें और डीजल पेट्रोल की बचत के सम्बंध में कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि ईंधन बचाने के लिए दूरस्थ क्षेत्र में स्थित अधिकारियों को जिला मुख्यालय पर बैठकों में बुलाने के स्थान पर वीडियो कॉन्फ्रेन्स या गूगल मीट के माध्यम से बैठकों में शामिल करें।

जल संरक्षण के क्षेत्र में गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करें- प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ की समीक्षा के दौरान कहा कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी खण्डवा जिला जल संरक्षण के क्षेत्र में देश व प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे, यह प्रयास किया जाए। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने इस अवसर पर बताया कि अभी तक की स्थिति में खण्डवा जिला ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ और ÷जल संचय, जन भागीदारी÷ अभियान में प्रथम स्थान पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष नगर निगम खण्डवा द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया जा रहा है। अभी तक ÷जल संचय, जन भागीदारी÷ अभियान में खण्डवा नगर निगम टॉप 10 जिलों में चल रहा है और प्रयास किया जा रहा है कि इस माह में टॉप 3 नगरीय निकायों में खण्डवा नगर निगम अपना स्थान सुरक्षित रख ले। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत ने स्वच्छता सर्वेक्षण तथा स्वच्छता अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

अमानक बीज विक्रय रोकने के लिए हर संभव प्रयास करें- प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने बैठक में बीज प्रमाणीकरण अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रमाणित बीज ही किसानों को उपलब्ध कराया जाए। अमानक बीज बाजार में न बिके, यह सुनिश्चित किया जाए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सरियों के जाल में गिरी बुजुर्ग महिला जिंदगी और मौत के बीच लड़ रही जंग

हादसे के बाद भड़के लोग- ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग-शहर में सैकड़ो जगह हैं मौत के गड्ढे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण और नाला निर्माण कार्य अब लोगों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि खतरा बनते जा रहे हैं। देसाई नगर मैन रोड पर सोमवार को एक बुजुर्ग महिला खुले पड़े सरियों के जाल में गिर गई। महिला गंभीर रूप से घायल है और जिंदगी-मौत के बीच जंग लड़ रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में गुस्सा फैल गया। लोगों का कहना है कि नगर निगम और ठेकेदारों की लापरवाही अब सीधे लोगों की जान पर भारी पड़ रही है।

उल्लेखनीय है कि सांदीपनि चौराहे से उदयन मार्ग तक सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण का काम चल रहा है। इसके लिए घरों के बाहर करीब 4 फीट गहरे और 4 फीट चौड़े गड्ढे खोद दिए गए हैं। इनमें लोहे के सरियों का जाल बिछा हुआ है। लोगों के आने-जाने के लिए सिर्फ एक पतला लकड़ी का पटिया रखा गया है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर दिन डर के साए में घर से निकलना पड़ता है। सोमवार को यही डर हकीकत बन गया। बुजुर्ग महिला पटिए के सहारे घर जाने की कोशिश कर रही थीं, तभी संतुलन बिगड़ा और वे सीधे सरियों पर जा गिरीं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने घायल महिला को सरिये काटकर बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

घटना के बाद लोगों का गुस्सा इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि क्षेत्र में पिछले 15 दिनों से यही हालात बने हुए हैं। रहवासियों का आरोप है कि काम बेहद धीमी गति से चल रहा है और सुरक्षा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। ऊपर से गैस लाइन की मरम्मत करने वाले कर्मचारी भी खुदाई कर चले गए, जिससे रास्ता और खतरनाक हो गया।

ठेकेदार बोला, महिला उछलकर जाने की कोशिश कर रही थी- हादसे के बाद ठेकेदार अमित जिंदल ने खुद को बचाने की कोशिश करते हुए कहा कि लोगों की सुविधा के लिए पटिए लगाए गए थे। महिला उछलकर ऊपर जाने का प्रयास कर रही थीं, इसलिए हादसा हुआ। हमारी कोई गलती नहीं है। वहीं नगर निगम के सब इंजीनियर मुकुल मेश्राम ने भी सफाई देते हुए कहा कि महिला सरिया पकड़कर ऊपर जाने की कोशिश कर रही थीं, इसी दौरान फिसल गईं। घटना में लापरवाही नहीं बरती गई।

लेकिन इलाके के लोगों का कहना है कि अगर सुरक्षा इंतजाम पूरे होते तो महिला हादसे का शिकार ही नहीं होती।

पूरे शहर में खुले सरिये, हर सड़क पर हादसे का खतरा- सड़क चौड़ीकरण वाले अधिकांश इलाकों में सरिये खुले पड़े हैं। कई जगह गड्ढों पर सुरक्षा बैरिकेड भी नहीं लगाए गए हैं। इसके साथ ही

रात में रोशनी का इंतजाम नहीं, अंधेरे में लगातार खतरा बढ़ता जा रहा है।

बुजुर्ग, बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं।

रहवासियों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं होती।

एक हादसे में एफआईआर, दूसरे में बचाव क्यों- लोग अब प्रशासन के रवैये पर भी सवाल उठा रहे हैं। इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन परियोजना में शांति पैलेस चौराहे पर हुए हादसे में निर्माण एजेंसी और इंजीनियरों पर आपराधिक केस दर्ज किया गया था। वहां श्रमिक की मौत हुई थी। अब देसाई नगर में महिला गंभीर रूप से घायल हुई है, लेकिन यहां जिम्मेदारों पर कार्रवाई की बजाय बचाव की कोशिश हो रही है। लोगों का आरोप है कि निगम के एक पूर्व चर्चित इंजीनियर का संरक्षण मिलने से ठेकेदारों पर कार्रवाई नहीं हो रही।

निगमायुक्त बोले, रिपोर्ट मांगी है.- नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने कहा कि मामले की रिपोर्ट तलब की गई है। जांच में यदि ठेकेदार और इंजीनियर की लापरवाही सामने आती है तो कार्रवाई की जाएगी।

रहवासियों की मांग- चौड़ीकरण प्रभावित क्षेत्रों के रहवासी मांग कर रहे हैं कि मामले में ठेकेदार और साइट इंजीनियर पर प्रकरण दर्ज हो।

निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों।

खुले सरियों और गड्ढों को तुरंत ढंका जाए। वहीं रात में लाइट और बैरिकेड लगाए जाएं।

धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य जल्द पूरे हों।

सिंहस्थ के कार्यों को पूर्ण करने के लिए सभी विभाग अपनी प्राथमिकता तय कर लें- संभागायुक्त श्री सिंह

संभागायुक्त सिंह की अध्यक्षता में सिंहस्थ 2028 के निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ 2028 के निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्माण कार्य कराने वाले अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी दिनों में वर्षा ऋतु प्रारंभ होना है। वर्तमान समय महत्वपूर्ण है इस दौरान सिंहस्थ के निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण करने के लिए सभी विभाग अपनी प्राथमिकता तय कर लें। जहां भी कार्य की गति धीमी है वहां अन्य टीमें लगाकर कार्य की गति तेज करें और परिणाम दें। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी मौजूद थे।

सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागार में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रचलित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में स्मार्ट सिटी, नगर निगम और उज्जैन विकास प्राधिकरण के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान स्मार्ट सिटी द्वारा निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर के समीप प्रचलित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि आगे बारिश के मौसम के साथ ही श्रावण का महीना भी प्रारंभ हो जाएगा। ऐसे में श्री महाकाल मंदिर के आसपास निर्माणकार्यों की गति बढ़ाकर श्रावण माह के पहले कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य तय करें। नगर निगम द्वारा कंठाल चौराहा से सतीगेट तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य के संबंध में जानकारी दी कि चौड़ीकरण कार्य के लिए कंठाल चौराहा से सतीगेट तक का कार्य प्रगतिरत है। चौड़ीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद मार्ग के दोनों ओर नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि आगामी बैठक के पहले कंठाल चौराहा से सतीगेट तक नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाए। नगर निगम द्वारा पानी की टंकी से ढ़ाबारोड़ रोड की और मार्ग चौड़ीकरण कार्य के अंतर्गत पेयजल की लाईन जोड़ने और पोल शिफ्टिंग का कार्य प्रगतिरत है। इसी तरह टंकी चौक से ढ़ाबारोड़ श्री सत्यनारायण मंदिर तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य में तेजी लाने के लिए संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि 03 अलग-अलग टीमें लगाकर कार्य की गति बढ़ाई जाए।

बैठक में खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी दी गई। इसी तरह नगर निगम के माध्यम से नक्षत्र होटल से श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर तक सीमेंट कांक्रीट रोड़ निर्माण कार्य की जानकारी देते हुए बताया गया कि मार्ग निर्माण के पहले सिवरेज लाईन का कार्य प्रगतिरत है। संभागायुक्त श्री सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान सभी विभागों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पहले के यह डेढ़ माह का समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन दिनों में कार्यों की प्राथमिकता तय कर बारिश के पहले किए जाने वाले कार्य पूर्ण कराए जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी प्रगतिरत कार्यों के लिए मौके पर स्थिति देखकर वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र पूर्ण करने का लक्ष्य तय कर लें।

उज्जैन के 82 हजार किसानों से खरीदा 5.73 लाख मीट्रिक टन गेहूं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का काम अंतिम दौर में पहुंच गया है। सोमवार तक जिले में 82 हजार 411 किसानों से 5 लाख 73 हजार 952 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। किसानों के खातों में अब तक 964.43 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है।

खरीदी की समीक्षा बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी उपार्जन केंद्र पर बारदाने की कमी नहीं होनी चाहिए और अंतिम दिन भी किसानों की उपज की तौल की जाए। प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने कहा कि गेहूं की अधिक आवक के कारण यदि किसी किसान के स्लॉट की वैधता समाप्त होने वाली हो और उसकी तौल नहीं हो पाई हो, तो उसे तत्काल तौल पर्ची जारी की जाए। इसके लिए डीएसओ लॉगइन में स्लॉट वैधता बढ़ाने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। सभी केंद्र प्रभारियों को इसकी जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जो किसान उपार्जन केंद्र तक गेहूं लेकर पहुंच गया है, वह अंतिम तिथि के कारण तौल पर्ची से वंचित नहीं रहना चाहिए। अधिकारियों को लगातार फील्ड में रहकर उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करने और किसानों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एडीएम अत्येंद्र सिंह गुर्जर, जिला आपूर्ति नियंत्रक शालू वर्मा, उपायुक्त सहकारिता के. पाटनकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इधर खाद्य, कृषि और उद्यानिकी विभाग की टीमों ने सोमवार को कई वेयरहाउस और उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण भी किया।

8 महीने में 50 हजार लोगों की मदद...10 मिनट में पहुंच रही डायल-112

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुसीबत की घड़ी में अब लोगों को अलग-अलग नंबर याद रखने की जरूरत नहीं पड़ रही। जिले में शुरू हुई डायल-112 सेवा ने महज 8 महीनों में 50 हजार से ज्यादा लोगों तक मदद पहुंचाकर खुद को भरोसेमंद इमरजेंसी सेवा के रूप में स्थापित कर दिया है। पुलिस के मुताबिक 16 मई 2026 को सेवा के 8 महीने पूरे हो रहे हैं और इस दौरान शहर से लेकर गांव तक हजारों लोगों को तत्काल सहायता मिली है।फिलहाल जिले में डायल-112 के कुल 35 वाहन तैनात हैं। इनमें 18 वाहन शहर और 17 वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार गश्त और रिस्पॉन्स में लगे हुए हैं। ये वाहन 24 घंटे और सातों दिन एक्टिव रहते हैं। खास बात यह है कि औसतन 10 से 15 मिनट के भीतर मदद मौके पर पहुंच रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार डायल-112 पर सबसे ज्यादा कॉल मारपीट, सड़क दुर्घटना, झगड़े, शराबखोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं से जुड़ी आती हैं। कई मामलों में घायल लोगों को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान भी बचाई गई। आंकड़ों के मुताबिक हर महीने करीब 7 हजार कॉल उज्जैन जिले से डायल-112 पर दर्ज हो रही हैं। हालांकि इनमें कई फर्जी कॉल भी शामिल रहती हैं, लेकिन इसके बावजूद सेवा की गति प्रभावित नहीं हो रही। प्रतिदिन औसतन 250 से 270 लोगों को आपातकालीन सहायता मिल रही है। अधिकारियों का कहना है कि डायल-112 ने सिर्फ पुलिस सहायता को तेज नहीं किया, बल्कि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ाया है। शहर और गांव दोनों इलाकों में अब लोग किसी भी आपात स्थिति में सबसे पहले डायल-112 को ही याद कर रहे हैं।